राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2385
नागराज के बाद
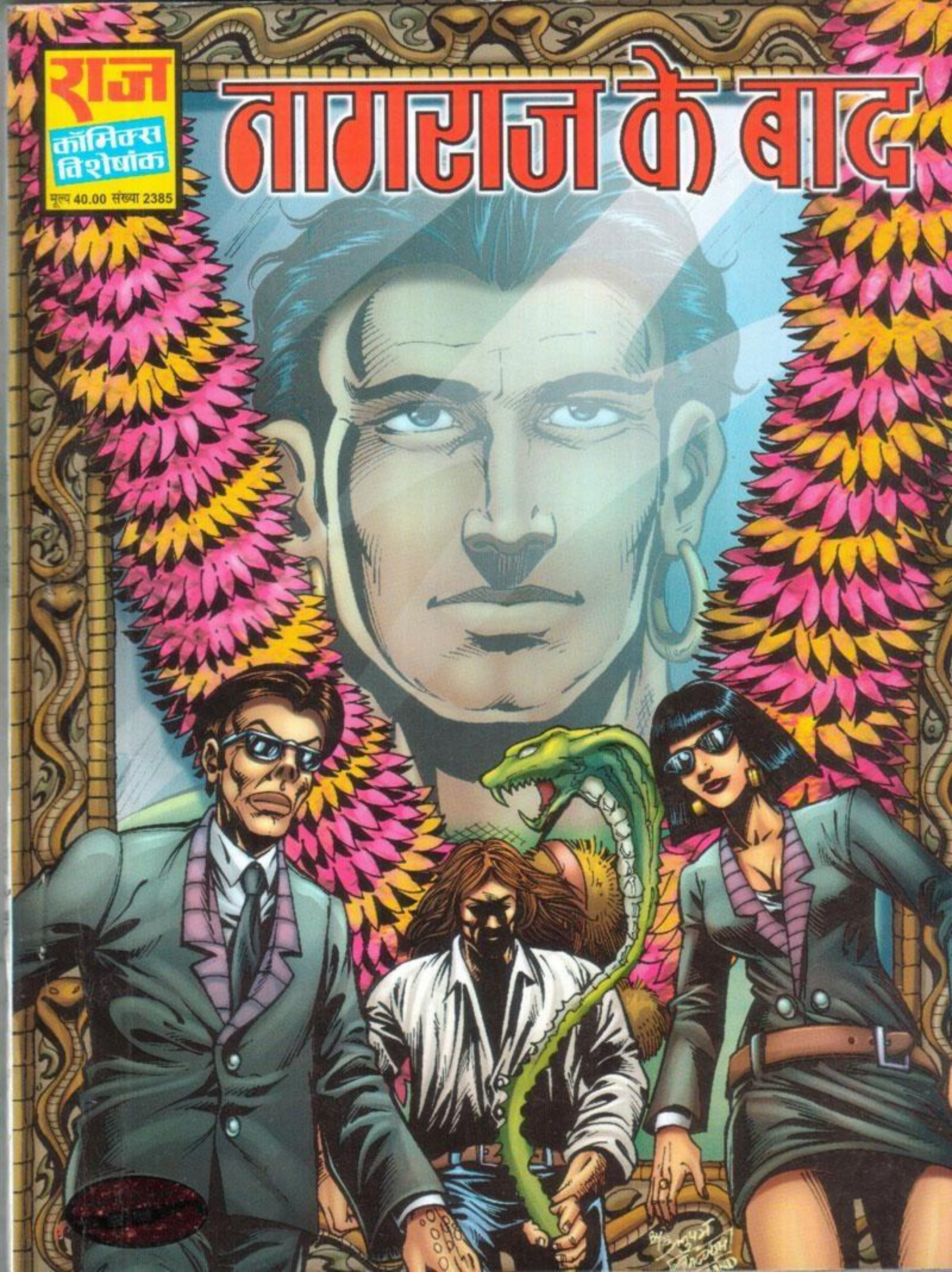
नागदेव कालजयी के विष ने
एक बालक को मरणासन्न कर दिया
लेकिन उसी विष ने
उस बालक को दिया नवजीवन
और अपरिमित नाग शक्तियां!
इन नाग शक्तियों के बल पर
वह बन गया
अपराधनाशक नागराज!
नागराज

हर चीज का एक न एक दिन अंत होना तय है।
चाहे वह एक भक्षक विलेन हो, या फिर रक्षक सुपरहीरो!
आज नागराज की कहानी अंत पर आ गई है।
अच्छाई का पलड़ा एकाएक हल्का हो गया है।
और मानवों तथा नागों के सामने जीवन का एक दूसरा ही खौफनाक रूप सामने आया है।
संजय गुप्ता पेश करते हैं!
नागराज के बाद
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
कथा जॉली सिन्हा, अनुपम सिन्हा
पेंसिलिंग अनुपम सिन्हा
इंकिंग विनीत सिद्धार्थ, लक्ष्मीन, आत्माराम पुण्ड
इफेक्ट्स प्रवीन सिंह
कैलीग्राफी हरीश शर्मा
सह सम्पादक मंदार गंगेले
सम्पादक मनीष गुप्ता

Bank of India ATM
"इस दुनिया को भगवान नहीं चलाता। इस दुनिया को चलाता है ईंधन !फ्यूल।"
"फिर चाहे वह फ्यूल बेजान चीजों को चलाने वाला हो।"
"या सजीव चीजों को चलाने वाला।"
"जो फ्यूल को कंट्रोल करेगा।"
"वह दुनिया को कंट्रोल करेगा।"
"शक्तिशाली से शक्तिशाली चीजें भी उसके वश में होंगी।"
"सुपर हीरोज भी।"
नागराज गया, छोरी! मर गया!!
अब यहां पर या तो पुलिस का राज है। या हमारा!! .... पुलिस तो हर जगह पर पहुंच नहीं सकती।
नागराज!
पर हम पहुंच सकते हैं! अब चुपचाप अपने क्रेडिट कार्ड का ए टी एम कोड बता दे, वर्ना...
वर्ना क्या? उसके बाद तो तुम मुझे मार ही दोगे न! तो अभी मार दो!!
ठीक है। मत बता। फिर हम अपनी फीस दूसरी तरह से वसूलेंगे!
नहीं! ऐ...ऐसा मत करना!!

Bank OF India
भाई हमें उस लड़की को बचाना चाहिए!
उसे बचाने का मतलब अपनी जान गंवाना है।
बैठा रह। तू अभी-अभी गाँव से आया है। अभी तू कुछ नहीं जानता है।
हम सिर्फ इतना जानते हैं, भईया, कि मुसीबत में पड़े को छोड़ के जो भागे सो महापापी।
या मुर्दा! चुपचाप बैठा रह।
Bank oF I
आप बैठें, भईया! हम वापस आकर बैठेंगे! हम गुंडन से नही डरते।
गुंडो से कौन डरता है? पर अगर तूने उस लड़की पर रहम किया तो तू मरा।
कोई ना मरेगा, भईया। हम अभी आए।
अरे! इनको छोड़ दीजिए न!
वर्ना इनकी बजाय आप बेइज्जत हो जाइएगा।
अब तो आप हमें भईया बोल दीं। अब हम कैसे जाएं?
बगैर भाई का हक अदा किए हुए।
ए भईए! भाग ले। क्यों अपनी जान देने पर तुला है?
तुम... तुम जाओ, गार्ड भईया मैं... इनसे निपट लूंगी।
वसूलूं?
ख.... खबरदार।
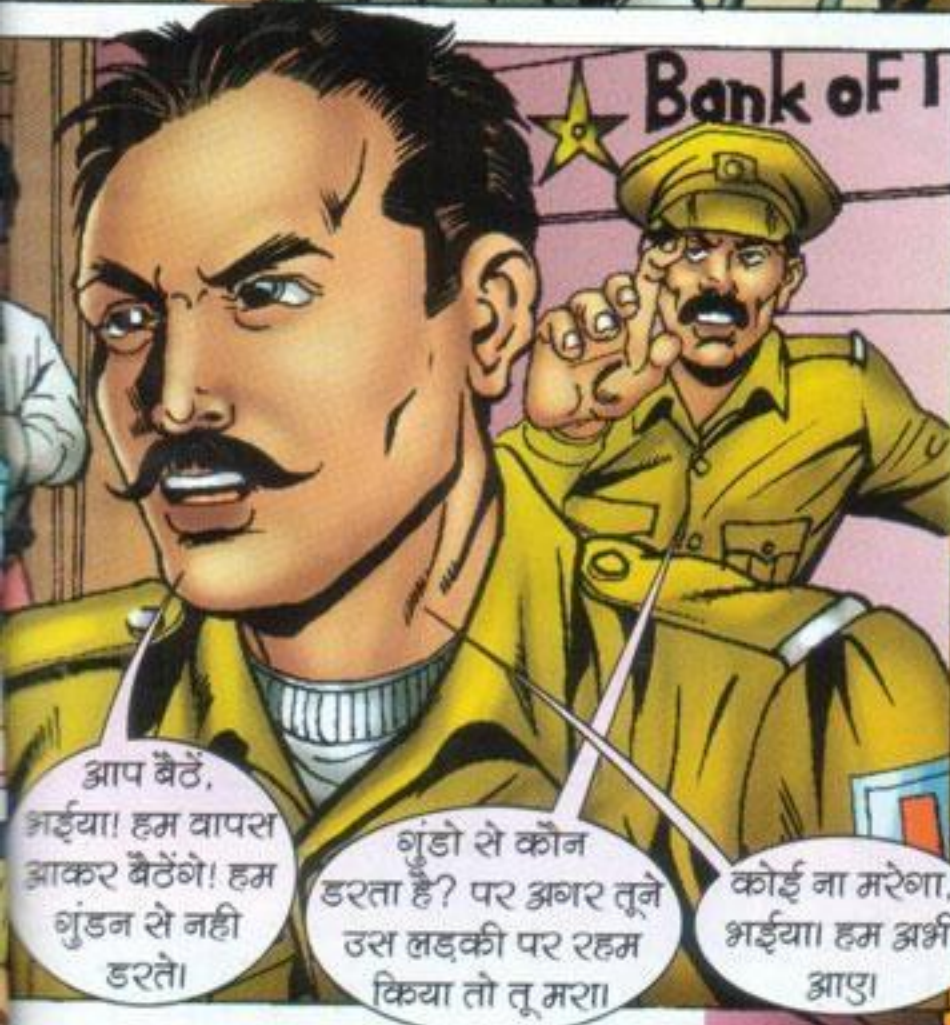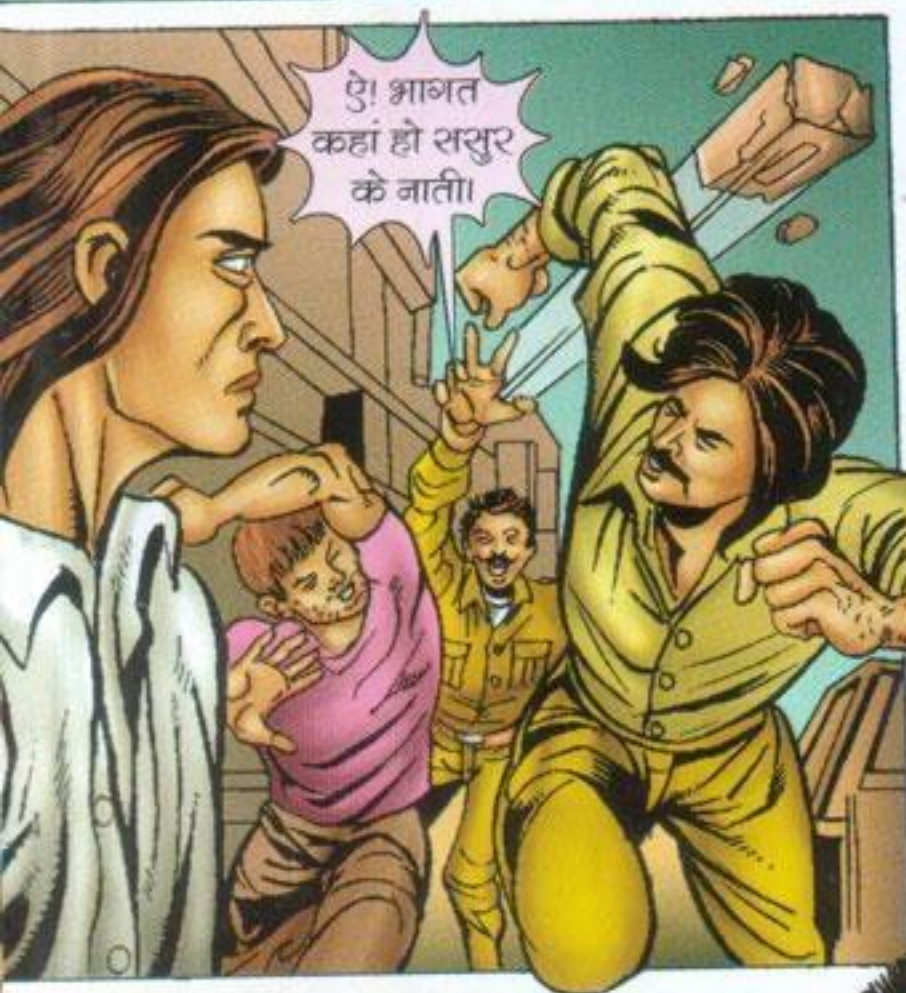
ऐ! भागत कहां हो ससुर के नाती।
अब आप टैक्सी ले लें ! और घर जाएं।
पर सड़क पर गाड़ियां तो बहुत कम चल रही हैं। हम जब से गांव से आए हैं, खाली गाड़ियां ही देख रहे हैं! सुना है पिट्रोल की कमी है।
अब मैं तुमको एक सेकेंड के लिए भी नहीं छोड़ूंगी तुमको मेरे साथ ही चलना पड़ेगा।
लगता है आपको हमसे... हीही! हीही!!
वाह! ये क्या था?
नए फ्यूल वीनॉम पर चलने वाली गाड़ी।
अरे, ये कोई फिल्मी सीन थोड़े ही था जो आपको हमसे 'वो' हो जाए अभी तो आप हमें भाई कही थीं।
Shut up! तुम्हारी जान खतरे में है! चलो मेरे साथ।
पर कहां? हम तो ड्यूटी पर हैं।
अब आओ मेरे साथ। तुम...तुम ठीक फील कर रहे हो ना?
फील?
म...महसूस! कैसा महसूस कर रहे हो?
एक दम बढ़िया है

बड़ा पाप हो गया हमसे।
नहीं! रुक जाओ।
धड़ड़ड़
हमने इसको खबरदार किया था।
मैंने भी मना किया था। पर वही हुआ जो इससे पहले हजारों लोगों के साथ हो चुका है। दुनिया में हर बड़े शहर में यही हो रहा है।
मूर्ख! यह नहीं जानता था कि शहरों में जो दूसरे पर रहम करेगा, मौत उस पर रहम नहीं करेगी।
अरे! जब नागराज महानगर में फैले इस शाप की भेंट चढ़ गया, तो दूसरा कौन बचेगा?

पुलिस आ रही है!
अब ज्यादा आंसू मत बहाओ बहन जी! इसकी मौत पर रहम करके अपनी मौत मत बुलाओ। आप जाओ यहां से! मैं संभाल लूंगा।
मैं...मैं चलती हूं! अगर वे मुझे पूछताछ के लिए ले गए तो गड़बड़ हो जाएगी।
तुम्हारी आंखों में आंसू! मरना चाहते हो क्या?
अगर पुलिस तुमको गवाह के तौर पर भी ले गई तो तुम्हारे लिए मुसीबत हो जाएगी।
दूसरे की मौत पर आंसू कभी मत बहाना, वर्ना तुम्हारी मौत पर आंसू बहाने वाला भी नहीं मिलेगा।
इतनी सी भी बात नहीं जानते क्या?
महानगर में नए आए हो?
हाँ! मेरे लिए यहां की हर चीज नई है।
तुम मामूली आदमी नहीं लगते! कौन हो तुम?
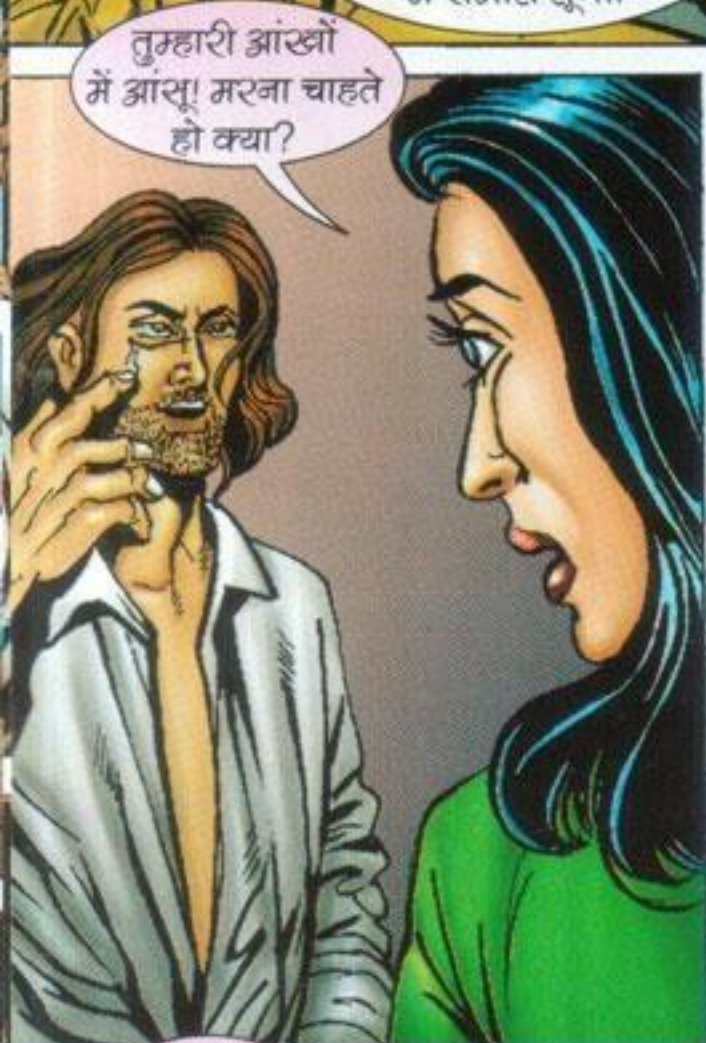
परदेसी हूं! सिर छुपाने की जगह ढूंढ रहा हूं!
तब तो तुम सही इंसान से टकराए हो। आओ मेरे साथ!
यह मेरा घर है। रातभर यहां रुक सकते हो। कल मैं तुम्हारे लिए काम का इंतजाम भी कर दूंगी!
वीनॉम ने आज अपना एक क्रांतिकारी प्रोडक्ट लांच किया है। पेट्रोल टू वीनॉम कन्वर्टर किट! इस किट को किसी भी पेट्रोल कार में फिट करने के बाद वह कार बिना किसी बदलाव के वीनॉम पर चल सकेगी। वीनॉम कंपनी के द्वारा मार्केट में उतारी गई ऐसी सात लाख किट एक घंटे में ही बिक गईं!
कैसा काम?
मैं एक सिक्योरिटी एजेंसी चलाती हूं, काफी बड़ी एजेंसी है! उसमें मैं तुमको काम दे दूंगी। अब जरा लेटेस्ट न्यूज देख लूं!
Sondio
NEWS
आइए सुनते हैं कि इस उपलब्धि पर वीनॉम के सी.ई. ओ. मैक्सिम मैक्स का क्या कहना है।
हमारा मानना है कि अब पेट्रोल जैसे पुराने ईंधन के दिन लद गए हैं। पेट्रोल अब सिर्फ सेना, हवाई सेवा या शिपिंग तक सिमट कर रह गया है। जल्दी ही वो भी वीनॉम ही यूज करेंगे।

ये वीनॉम
क्या है? और गार्ड
किसी नागराज की
बात कर रहा था!
वह कौन है?

वीनॉम क्या है यह
कोई नही जानता! वीनॉम एक
ऐसा ईंधन है जो एक बूंद में इतनी
ऊर्जा पैदा कर सकता है, जितना
सौ लीटर पेट्रोल करता है। और
इसकी कीमत पेट्रोल से दस
गुना कम पड़ती है।

पर लोगों का पेट्रोल इस्तेमाल न करने का कारण
यह नहीं है। उसका कारण हैं पेट्रोल के टैंकर और
पाइप लाइनों पर आंतकवादियों के बढ़ते हमले और
पेट्रोल की क्वालिटी में गिरावट। पूरी दुनिया में
कई कारों में आग लग गई। कई कारों के
इंजन गल गए और कई जगह तो पेट्रोल
पंपों में ही आग लगने लगी। किसी को
पता नहीं था कि गड़बड़
कहां हो रही है।

तब इस
गड़बड़ का
पता लगाने के
लिए निकला
नागराज।

नागराज
कौन है?

है नहीं! था!
आंतकवाद का जानी
दुश्मन था नागसम्राट नागराज!
मानवता का सबसे
बड़ा रक्षक!

अगर ये पर्स
तुम्हारा है तो पर्स में
रखी ये फोटो भी तुम्हारी
होगी। कैसे जानती थी तुम
नागराज को?

अ... जानती नहीं
थी! सिक्योरिटी एजेंसी के
लिए एक बार बस मिली थी।
तभी ये खींची थी।

यह मैं क्या सोच रहा था!!

यानी हमारा शक सही था।

सही था!

POLICE
मेरी तरफ देखो!
तुम सभी भूल जाओगे कि तुम यहां कभी आए भी थे।
और तुम्हारे हेडक्वार्टर पहुंचते ही तुम सबका सम्मोहन टूट जाएगा!
यह घटना कभी घटी ही नहीं।

खतरा टल गया है। अब तुम बाहर आ सकते हो।
बाहर आ जाओ। घबराओ मत! मैं तुमको नुकसान नहीं पहुंचाऊंगी! आ जाओ।
मैं तुमको सम्मोहित करके तुम्हारा पास्ट पता करने में तुम्हारी मदद.... अरे।
कहां गया? वह छुपा तो इसी में था! मैंने तो उसे जाते देखा नहीं!! फिर वह गया कहां?
कौन था वह? कहीं वह किसी दुश्मन का जासूस तो नहीं था!! वह देख चुका है कि मैं एक नागिन हूं।
नागराज के जाने के बाद अंजान दुश्मन अब नागराज के दोस्तों यानी इच्छाधारी नागों को भी खत्म कर देना चाहते हैं। ताकि उनका एक छत्र राज्य हो जाए! ओफ्! काश नागराज यहां पर होता।

"पर नागराज तो तब मौजूद होता जब कोई 6 महीने पहले के समय में जाकर घटनाक्रम को बदल सकता। उस दिन में जा सकता, जिस दिन स्नेक पार्क की लैब में डॉक्टर करुनाकरन मानो जश्न मना रहे थे!"
LABORA
मैं सफल हो गया! मैंने सांपों को पृथ्वी के सबसे खतरनाक प्राणी से सबसे बहुमूल्य प्रजाति में बदलने का रास्ता खोज लिया है।
क्या मैं भी आपकी इस खुशी में शामिल हो सकता हूं, डॉक्टर?
नागराज?
आज तुम्हारी आवाज भारी लग रही है। अपना गला चेक करवाने आए हो क्या? वैसे अच्छा हुआ कि तुम आ गए! मैं यह खुश खबरी सबसे पहले तुमको ही सुनाना चाहता था।
बताइए! क्या कारण है इस खुशी का?
पहले तुम्हारी समस्या दूर करते हैं। फिर आराम से बैठकर बात करेंगे। बताओ कैसे आना हुआ?

सुना है। आपने पांच सौ कोबरा सांपों के जहर से एक ऐसा कंसेन्ट्रेट बनाया है जो असर में मेरे जहर के बराबर है।
तुम्हारे जहर के बराबर तो नहीं है, पर उसका लगभग 70 प्रतिशत जरूर है।
पर ये तुमने... अ... आपने बनाया क्यों है?
क्योंकि इस कंसेन्ट्रेट से इंसानो को वह फायदा होगा जो उन्होने सपने में भी नहीं सोचा होगा।
क्या मैं उस अदभुत कंसेन्ट्रेट को देख सकता हूं?
क्यों नहीं? जरूर! सिर्फ पांच मिनट इंतजार करो। वह कंसेन्ट्रट एक ऐसी सेफ में रखा है जिसको खोलने में ही पांच मिनट लग जाते हैं।
पर याद रखना! उस विष का असर तुम्हारे विष से एकदम उल्टा है। उसके संपर्क में आए तो तुम्हारी सर्प शक्तियां क्षीण हो सकती हैं।
ये देखो! पर इसको छूना मत! इसके अंदर एक खास रेडिएशन है। जो तुमको नुकसान पहुचा सकता है।
कुछ सेकेंड में भला ये मेरा कितना नुकसान कर लेगा?
चलो ठीक है। पर पांच सेकेंड से ज्यादा नहीं। वर्ना इसका तुम पर क्या असर होगा ये मैं भी नहीं जानता।
कौन?

नागराज!! एक और नागराज?
असली नागराज, मुझे नहीं पता कि इस वॉयल मे क्या है और ये बहरूपिया कौन है?
सच और झूठ का फैसला सिर्फ पांच सेकेंड्स में हो जाएगा।
आऽऽऽह!
इसके बहकावे में मत आना, प्रोफेसर! आ... डॉक्टर! बहुरूपिया ये है जो आपके इस अविष्कार को खत्म कर देना चाहता है।
पर इतना जरूर पक्का है। कि इसका इरादा खतरनाक है।
और तुम हो बहुरूपिए! पर तुम जो भी हो, हिलने की सोचना भी मत!
ये है असली नागराज!
क्योंकि ये स्प्रेयर किसी जहरीले प्राणी के शरीर में इतनी तेज एलर्जी पैदा करता है कि अगर समय रहते मदद न मिली तो उसकी जान पर बन आती है।
कुछ भी कर ले, पर मुझे ये वॉयल चाहिए तो बस... चाहिए! और कोई रास्ता नहीं है।
अब मेरे पास भी और कोई रास्ता नहीं है।

नागदंत!! और...और तुम पर स्प्रे का असर भी नहीं हुआ!! असंभव!
तेरे नागराज की मेहरबानी से! इसने मेरे मस्तक में अपना एक सर्प बैठा दिया था। जिसने मुझे अपनी शक्तियों का प्रयोग करने से रोक रखा था!
मैं तो समझा था कि मिस किलर की मदद से मैंने उसे मार डाला था! लेकिन ये मेरी भूल थी! वो दुष्ट मरा नहीं था बस कुछ समय के लिए निष्क्रिय हो गया था! पता नहीं कब वो फिर सक्रिय हो गया!
इस बार धीरे-धीरे मेरे शरीर का विष नष्ट होता चला गया और मैं विषहीन प्राणी बनकर रह गया! पर अब वह सर्प अपनी प्राकृतिक मौत खुद मर चुका है। अब मैं आजाद हूं। और मुझे जरूरत है...
...तीक्ष्ण विष की!!
आSSSहा! बड़े दिनों के बाद शरीर में ऊर्जा के दौड़ने का एहसास हुआ है। एक नई सी ऊर्जा!
आर्टघ घघ

ओफ! ये..ये क्या हुआ? पर कोई बात नहीं मैंने इस तीक्षण विष के साथ-साथ इसका एंटीडोट भी बना लिया था।
वह एंटीडोट इस विष का असर काट .... आऽऽऽह!
ऐसा करने से पहले मैं तुमको मार दूंगा!
डॉक्टर!
नागदंत ने सब गड़बड़ कर दी। वैसे गलती इसकी भी नहीं है। नागराज को तो यहां आना ही था। अब तो एक ही काम किया जा सकता है।
इस को उठाकर चुपचाप फूट लेने का!
वर्ना अब पुलिस और मीडिया को आने मे ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

आ गए कमबख्त।
ए.. कौन हो तुम? रूक जाओ। अपने हाथ ऊपर करो! वर्ना...
न न गोली मत चलाना। मैं अपने आपको तुम्हारे हवाले करता हूं।
लो! पकड़ लो मुझको! बस, गोली मत चलाना।
मूर्ख! मुझे अगर मौत भी छूती तो उसका भी यही हाल होता!
दो लाशें गिर चुकी थीं-

और किसी एक की लाश गिरने वाली थी!
डॉक्टर! डॉक्टर, उठिए!
इनके लिए मुझे वही एंटीडोट चाहिए जो डॉक्टर लेने जा रहे थे!!
नागदंत! रुक जा!!
यह एंटीडोट तेरे हाथ नहीं लगेगी!
इसे तो मैं ही लेकर जाऊंगा, नागराज!
अगर ये तेरे पास रहेगी तो मेरी जान हमेशा तेरी मुट्ठी में रहेगी।
और अगर इसे पीकर डाक्टर बच गया, तो भी मेरी जान सांसत में रहेगी। क्योंकि वह नई एंटीडोट बना लेगा!
ओह! इस विष ने तो मेरी सुप्त शक्तियों को जगाने के साथ-साथ उनका रूप भी बदल दिया है।

ओफ्फ! इस कोड़े में तो वाकई ऐसा विष है जिसकी चुभन असहनीय है।
और इसका विष मेरी शक्तियों को क्षीण भी कर रहा है।
इससे पहले कि कुछ गड़बड़ हो मुझे एंटीडोट हासिल करके डॉक्टर की जान बचानी होगी।
अगर जहर मेरे बदन में है, तो एंटीडोट पर भी पहला हक मेरा है!
मेरी हर चीज पर तुम्हारा हक है नागदंत! आखिर तुम मेरी गर्दन के नीचे से मेरी मिरर इमेज हो! शुरूआत ध्वंसक सर्पों से करते हैं।
आऽऽऽ! नहीं!
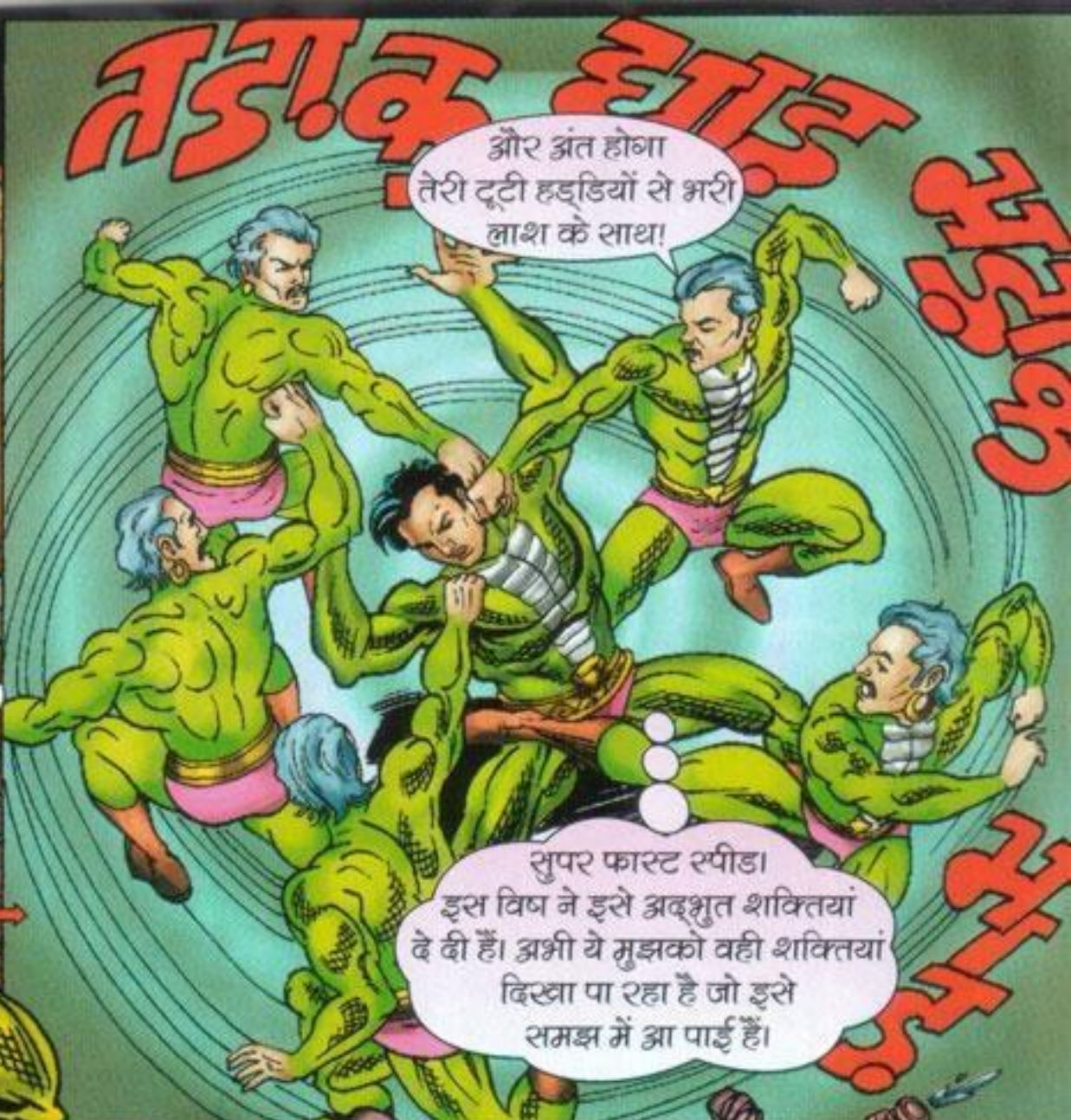
ये क्या?
तड़ाक धाड़
और अंत होगा तेरी टूटी हड्डियों से भरी लाश के साथ!
शुरुआत एंटीडोट से करेंगे!
सुपर फास्ट स्पीड। इस विष ने इसे अद्भुत शक्तियां दे दी हैं। अभी ये मुझको वही शक्तियां दिखा पा रहा है जो इसे समझ में आ पाई हैं।
और मुझे लग रहा है कि अभी तो यह सिर्फ शुरुआत है!
तुम बहुत तेज जा रहे हो, नागदंत! और जो जितनी तेजी से दौड़ता है।
वह उतनी ही तेजी से गिरता भी है।

बस, बहुत खेल हो गया, नागराज! अब या तो तू अपनी जान मुझे देगा, या फिर एंटीडोट देगा।
ओफ्फ! इसकी तो इच्छाधारी शक्ति भी जाग्रत हो गई! आऽऽऽ! इसकी फुंकार!
इसकी फुंकार मुझे कमजोर कर रही है मेरी विष शक्तियों को फिर से काट रही है। कैसा विष बनाया है करुणाकरन ने! और क्यों बनाया है?
इस सवाल का जवाब सिर्फ करुणाकरन के पास था। जो दोहरी मौत के बीच में झूल रहे थे।
अंदर से विष उनको मार रहा था।
और बाहर से दहकती लपटें उनको फिर से झुलसाने के लिए आगे बढ़ रही थीं।
क्या तू इतना कमजोर हो गया है नागराज कि पलटकर वार भी नहीं कर सकता?
मैं पहले सोचता हूं....
ड्रेस
...फिर वार करता हूं! ताकि दुश्मन को सोचने का मौका भी न मिले।
22
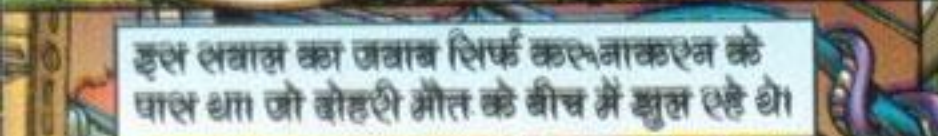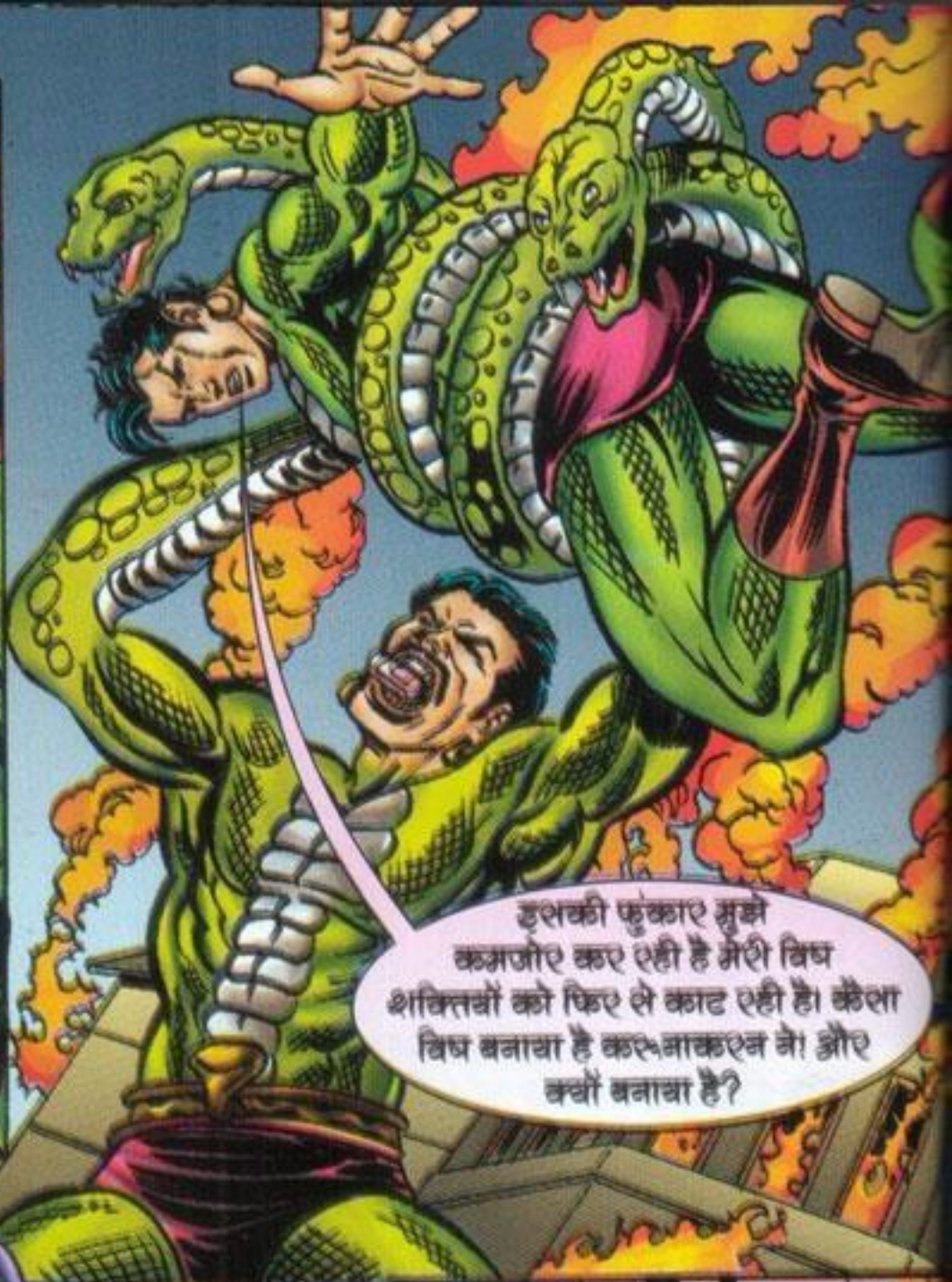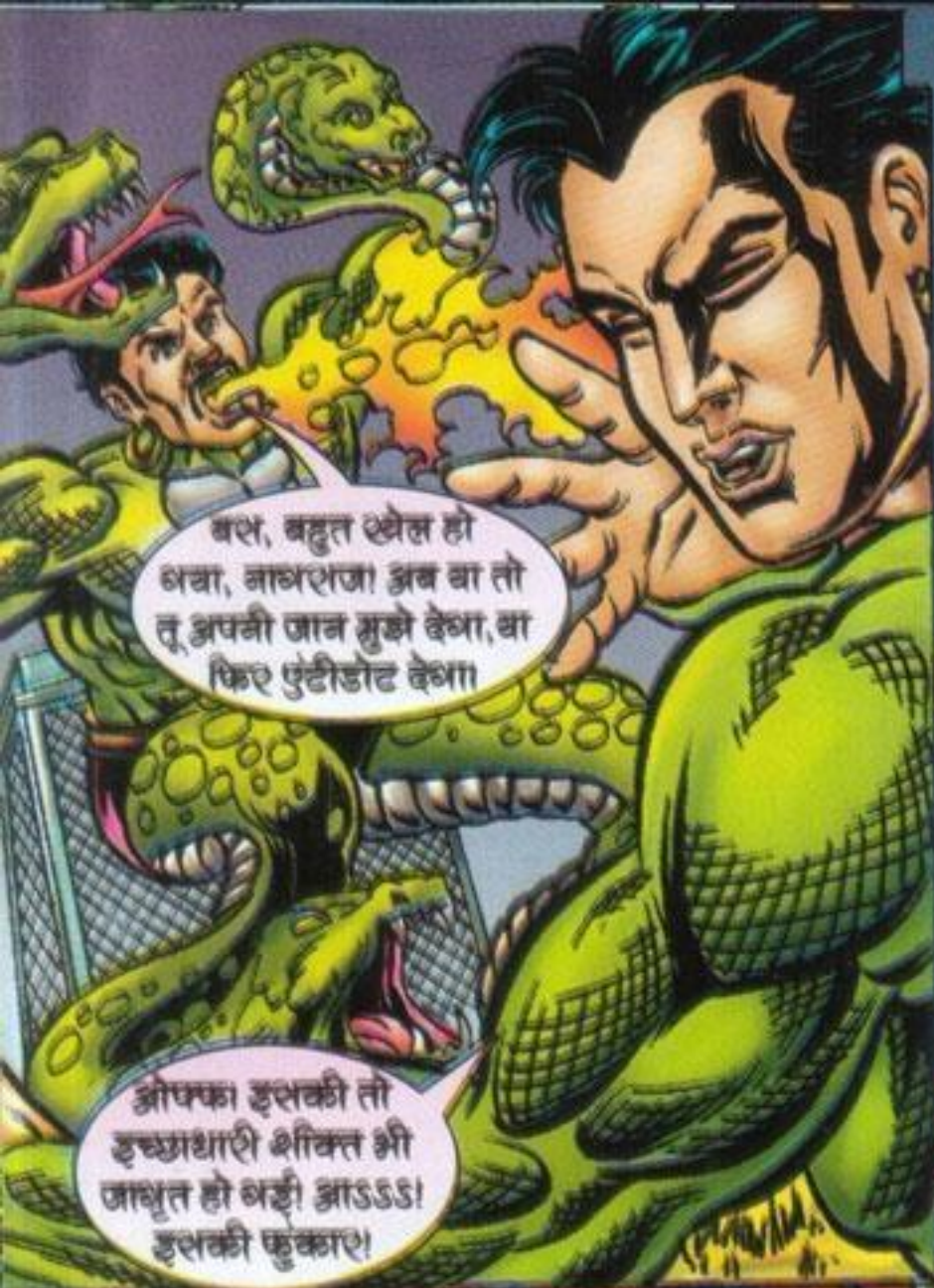
मैं तेरे हाथों हुई बेइज्जती से जितना तड़पा हूं, ये तड़प तो उसके सामने कुछ भी नहीं है! कुछ ही पलों में मैं संभल जाऊंगा। फिर तड़पने की बारी तेरी होगी।
ये जहर पीने का नतीजा है नागदंत, अगर तू जहरीला न बना होता तो ये स्प्रे पहले की तरह तुझ पर असर नहीं करता!
अब तू थोड़ी देर तड़प ले तब तक मैं डाक्टर को ये ऐंटीडोट पिलाकर आता हूं!
हे देव कालजयी! ऐसी शक्तियां तो मैं भी जागृत नहीं कर पाया हूं। ये कैसा विष बनाया है डॉक्टर ने?
सौडांगी, शीतनागकुमार ! जाकर लैब की आग बुझाओ और डाक्टर को ऐंटीडोट पिलाओ।
परंतु अगर ये एंटीडोट करूनाकरन ने पी लिया तो नागदंत के खिलाफ तुम्हारे पास कुछ नहीं बचेगा नागराज !
फिलहाल तो डाक्टर करूनाकरन को इसकी जरूरत है। वे बच गए तो कई सवालों के जबाव ऐसे ही मिल जाएंगे।
मैं इसका पीछा नहीं छोड़ सकता वर्ना ये न जाने कैसा खतरा बनकर वापस आएगा!
करूनाकरन की जान तो फिलहाल बच गई थी।
इसीलिए....
लेकिन ये कह पाना मुश्किल था कि उनको होश कब तक आएगा।
और अब सिर्फ बेहोश दिमाग को यह पता था कि दुनिया पर एक भीषण खतरा मंडराने वाला था।

...अभी तो एकमात्र खतरा नागदंत ही नजर आ रहा था।
आजकल मीडिया में इच्छाधारी नागों के खिलाफ काफी बोला जा रहा है और उसका कारण तुम जैसे सर्प मानव ही हैं।....
आऽऽऽह
अरे! कहां गया?
आज ऐसी ही एक खबर और बनेगी, नागराज।
तेरी मौत की खबर! बिग ब्रेकिंग न्यूज!
मैं यहां हूं, नागराज! तेरा जहर खत्म किए बगैर भला मैं कैसे जा सकता हूं?
वह फिर गायब हो गया।
ओफ्! दीवार से चिपके रहने लायक ताकत भी नहीं बची है।

लेकिन अगर इसका विष मेरे जहर को मार रहा है...
...तो मेरा जहर भी इसके विष को मारकर इसे कमजोर कर सकता है।
ओफ! ये फिर से गायब हो रहा है। यानी ये इच्छाधारी शक्ति की मदद से इच्छाधारी कणों में बदल रहा है।
अब मुझे इसको काबू में करने का तरीका समझ में आ गया है!
नागदंत फिर हमला करेगा! मैं जवाब दूंगा।
और ये फिर गायब हो जाएगा!
और यही समय होगा इसको काबू में करने का!
इस रूप में मैं इसको देख सकता हूं!
और इसके इच्छाधारी रूप को अपने रूप में समा सकता हूं!

अब नागदंत अपने जहर के साथ मेरे शरीर में है। मुझे पता नहीं है कि, इसके विष का मेरे शरीर पर क्या असर होगा?
पर जब तक ये मेरे शरीर में है तब तक मेरे शरीर में मौजूद इच्छाधारी सर्प इसे इसका विष बाहर निकालने से रोके रखेंगे। पर मुझे...आऽऽह।
नागराज के शरीर में एक कश-म-कश सी जारी थी
नागराज और नागदंत के इच्छाधारी रूप एक दूसरे के विष पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे।
और इसमें जीत उसी की होनी थी जिसकी इच्छा शक्ति ज्यादा मजबूत थी।

J·N·ELECTRON
अभी-अभी मिली खबर के अनुसार नागराज के कारण स्नेक पार्क में करीब पचास लाख की संपत्ति का नुकसान हुआ है और स्नेक पार्क के डायरेक्टर मौत के कगार पर पहुंच गए हैं।
और ऐसा फिर एक ऐसे ही सर्प मानव के कारण हुआ है जो नागराज से टकराने के शौक की खातिर महानगर को अपनी विनाश लीला का अखाड़ा बनाए हुए हैं। अब समय आ गया है कि नागराज की गतिविधियों पर प्रशासन अंकुश लगाए!
What? भारती चैनल पर नेगेटिव न्यूज!!
मुझे भारती से बात करनी होगी!
और अब दूसरी बड़ी खबर! आज समुद्री लुटेरों ने अफ्रीकन तट के पास फिर तेल टैंकर का अपहरण कर लिया। ये हमला कई तेल पाइप लाइन्स पर निकट भविष्य में हुए हमलों की कड़ी में जोड़कर देखा जा रहा है।
"लेकिन इससे पहले मुझे डॉक्टर करूणाकरन का हाल पता करना होगा!"
40 परसेंट बर्न्स हैं। सेकेंड डिग्री के।

इसीलिए ये बच तो जाएंगे! लेकिन इनके ब्लड में टॉक्सिन्स का स्तर बहुत हाई है। ये होश में कब आएंगे यह कह पाना मुश्किल है।
कोई बात नहीं! ये बच जाएंगे यह जानना ही मेरे लिए बहुत है।
सुना है कि मीडिया वाले इस बारे में काफी बकवास कर रहे हैं।
लेकिन अगर तुम्हारे ये दोनो साथी इनको वक्त पर न लाते तो इनका बचना असंभव था।
हां जरूर! पर....
मैं जानता हूं! इनके ईलाज के लिए अगर मैं कुछ कर सकूं तो मुझे जरूर याद कीजिएगा!
ये बेहोशी में बार बार, फ्यूल... रिएक्टर बड़बड़ा रहे थे? तुम जानते हो ये किस बारे में बात कर रहे थे?
नहीं! लैब में न तो कोई फ्यूल था और न ही कोई रिएक्टर!!
फिर ये... छोड़ो! मामूली सी बात है।
बात मामूली नहीं थी!
बल्कि इस बात के सामने दुनिया की बाकी सारी बातें मामूली साबित होने वाली थीं।
हाहाहा! करूनाकरन तू वाकई में जीनियस है! पर तू ये नहीं जानता था कि इस पूरे प्रयोग के दौरान मैं तेरा असिस्टेंट था और वह भी सिर्फ इसीलिए ताकि काम पूरा होते ही मैं तेरे काम को अपना बना लूं! और तुझे भगवान का प्यारा!
ये रिएक्टर मुझे दुनिया का सबसेशक्तिशाली इंसान बना देगा!
इसीलिए तुमने नागदंत को बहला फुसला कर लैब में भेजा था।

क..कौन हो तुम?
बताऊंगा! आगे सुनो! तुम चाहते थे कि नागदंत, डाक्टर करूनाकरन का ध्यान बंटाए और तुम रिएक्टर लेकर भाग खड़े हो!
नागदंत को तुमने इसलिए चुना, क्योंकि तुमको वहां पर नागराज के आने का पूरा अंदेशा था और नागराज को तुम्हारे पीछे आने से सिर्फ एक ही शख्स रोक सकता था! नागदंत! और वह भी जहरीला नागदंत!
तु...तुम को यह सब कैसे पता है?
बताऊंगा! प्रयोग पूरा होने की खबर पाते ही मैं भी रिएक्टर लेने पहुंचा था। पर तुम पहले ही अपना काम कर चुके थे और मेरा काम बिगाड़ चुके थे...
...नागमणि!
इतना कुछ जानते हो, तो ये भी जानते होगे कि नागमणि के पास ऐसे जहर हैं जो तुम जैसे मोटे को भी एक सेकेंड से भी कम समय में मार सकते हैं।
धमकी?
मैं झगड़ने नहीं आया! मैं तो सिर्फ इस रिएक्टर को काम करते हुए देखना चाहता हूं! सुना है ये जहर से चलता है।
सही सुना है! करूनाकरन ने विष को ईंधन बनाने का तरीका ढूंढ लिया था!
और तुम्हारे पास तो एक से बढ़कर एक विष हैं।

ये दुनिया का सबसे तेज विष है। इसकी एक बूंद डालते ही ये रिएक्टर चल पड़ेगा। और इस एक बूंद से यह एक साल तक लगातार ऊर्जा देता रह सकता है देखो!
अरे! ये चालू क्यों नहीं हुआ? ये तो दुनिया का सबसे तेज जहर है। ग्रीन मांबा का जहर!!
क्योंकि इस रिएक्टर का जो खास फ्यूल था उसे तो तूने नागदंत को पिलवा दिया, वेनम एक्सपर्ट नागमणि।
वह इसका फ्यूल था?
हां! तू करूनाकरन का असिस्टेंट बनकर भी यह पता नहीं कर पाया! अब तेरे पास बंदूक है, पर गोली नहीं है।
कोई बात नहीं। नागदंत यहीं पर वापस आएगा। मैं उसके खून में से वह वेनम निकाल लूंगा!
नागदंत वापस नहीं आएगा। वह नागराज के शरीर की भूलभुलैया में खो चुका है।
सुन नागमणि! न तो एक रिएक्टर से कुछ होगा और न ही एक बूंद जहर से।
अब जो होगा वह सहयोग से होगा। मैं इस रिएक्टर की नकल करके हजारों रिएक्टर बनाऊंगा और तू बनाएगा उसका ईंधन! वह खास जहर जिसका फार्मूला तू डाक्टर करूनाकरन का असिस्टेंट बनकर भी जान नही पाया।
उससे क्या होगा?
दुनिया पर हमारा एक छत्र राज! इस दुनिया को चलाने वाली एक ही चीज है!! एनर्जी! जो एनर्जी को कंट्रोल करेगा, वह दुनिया को कंट्रोल करेगा! यानी हम!!
और फिर नागराज आकर उस कंट्रोल को तोड़ देगा!

नागराज को तोड़ने का काम भी शुरू हो चुका है और दुनिया वालों को तोड़ने का भी!
तुम इतना कुछ कैसे जानते हो? तुम हो कौन?
बताऊंगा!
शैतान ने शैतान से हाथ मिला लिया था।
और बुरे समय ने इंसानी समाज की दहलीज पर दस्तक दे दी थी।
10 सितम्बर 2008
'पूरी दुनिया में छाया रिसेशन का दौर और गहरा गया है दुनिया भर के शेयर बाजारों में शेयर पेड़ के सूखे पत्ते की तरह गिर रहे हैं। लाखो लोगों की नौकरियां या तो संकट में हैं या जा चुकी हैं।'
15 दिसम्बर 2008
"पेट्रोल की आवाजाही में समुद्री लुटरों और आंतकवादी हमलों के कारण काफी रूकावट पैदा हुई है। तेल का उत्पादन न होने के साथ-साथ पुरी दुनिया में पेट्रोल की बडी किल्लत पैदा हो गई है।"
03 मार्च 2009
"पूरी दुनिया के खास शहरों में आत्महत्या की दर बहुत तेजी से बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार इसका कारण सिर्फ नौकरियों का जाना नहीं है। कारण चाहे कुछ भी हो, अब तक 5000 आत्महत्याओं की स्पष्ट खबरें आ चुकी हैं! दुनिया भर की एजेंसीज इस रहस्यमय बीमारी का कारण ढूंढने मे लगी हुई हैं।"
14अप्रैल 2009
"आज हाईकोर्ट में नागराज पर बैन लगाने की एक और याचिका खारिज हो गई।"
BREAKING NEWS
2 DEC 2008
MAR 03, 2009: 2:45 PM
EXTRA OFFER ☆ 93.7 FM ○ NOW PLAYING NEWS IN DETAI
इन कुछ महीनों में दुनिया का रूप जितनी तेजी से बदला था।...

उतनी तेजी से कभी नहीं बदला।
शांति निवास
शांति निवास
205
क्या है? अरे!!
हट रे, हीरो!
तेरा दो महीने से ऊपर का किराया चढ़ गया है। तेरे को मेरी बिल्डिंग के बाहर धर्मशाला लिखा दिखता है क्या?
वो, भाईसाहब... एक दम से नौकरी चली गई! रिसेशन है ना! तो थोड़ा समय दे दो!! अब बीवी बच्चों को लेकर मैं कहां जाऊंगा?
तेरे बीवी बच्चों से मेरा कोई रगड़ा नहीं है। ठीक है। मोहलत दी! एक हफ्ते की.....
पर सिर्फ तेरे बीवी बच्चों को।
अब जब तक तू मुझे किराया नहीं देता तब तक तू इस बिल्डिंग में आ नहीं सकता! बीवी बच्चों से मिलना हो तो किराए का इंतजाम कर ले!

207, 206! यानी आगे वाला है...

...205.
तुझ पर भी रिसेशन का भूत चढ़ा लगता है!

अ..अ! एक मिनट! मैं... अगले हफ्ते में आपका हिसाब चुकता कर दूंगा! पर...No violence Please.
अंग्रेजी आती है तो नौकरी ढूंढ ले। तेरे तो बीवी बच्चे भी नहीं हैं।
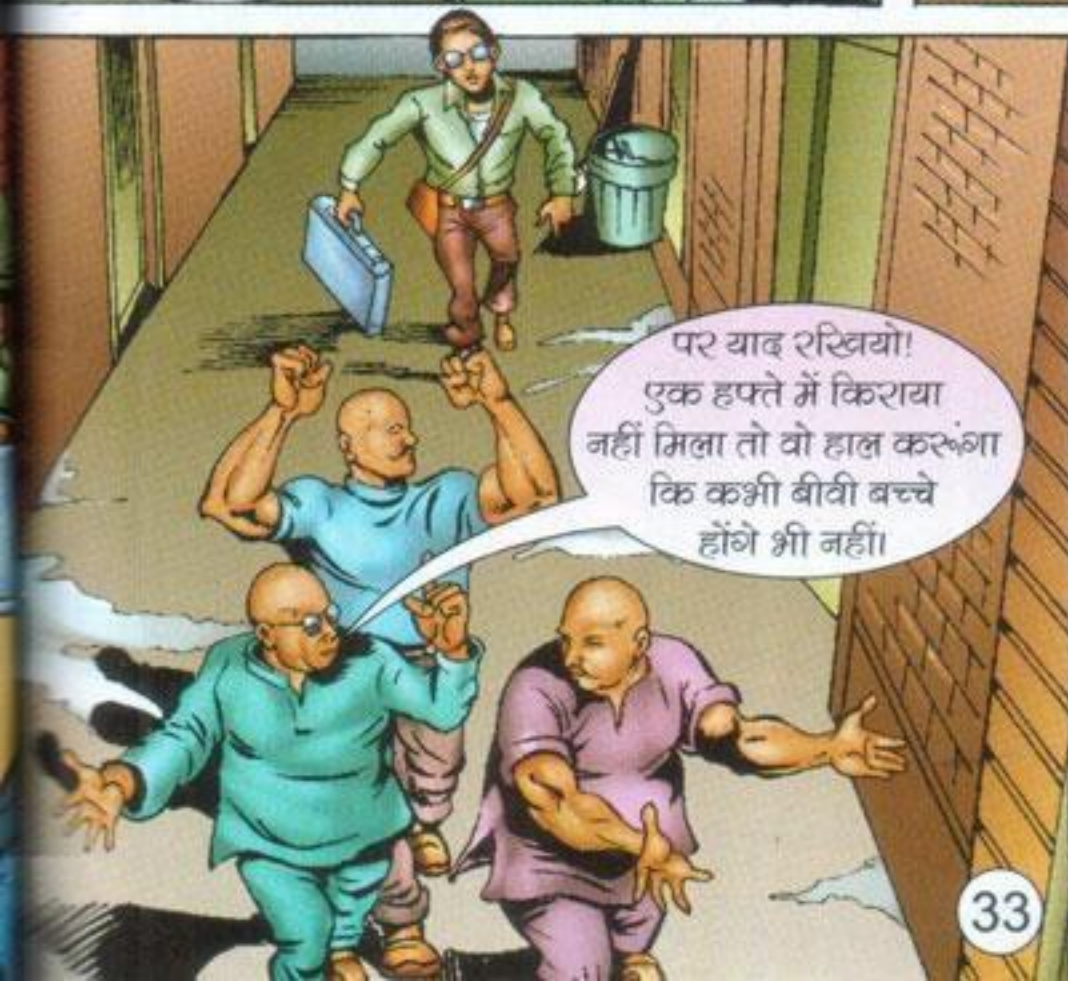
पर याद रखियो! एक हफ्ते में किराया नहीं मिला तो वो हाल करूंगा कि कभी बीवी बच्चे होंगे भी नहीं।

ए...हेलो! ये सब क्या था?

राज सर?
ओ, अब्राहम! कहो कैसे आना हुआ? आज जल्दी छुट्टी दे दी पहलेजा ने?
आपको तो पूरी छुट्टी दे दी।
ये भारती के प्रति आपकी वफादारी की सजा है, सर!
मेरे पास पक्की खबर है कि, वह ही आपकी जॉब और किसी चैनेल में लगने नहीं दे रहा है!
जॉब तो करनी ही है,
अगर इस लाइन में काम नहीं मिला तो लाइन चेंज करनी पड़ेगी! अब तो मेरी सेविंग्स भी खत्म हो रही हैं।
मैं इसीलिए आपके पास आया था, सर! एक सिक्योरिटी एजेंसी में मैनेजर का जॉब ऑफर है! आप कहें तो...
नहीं, अब्राहम। मैं मीडिया को इतनी जल्दी नहीं छोडूंगा। अभी एक-दो महीने और देखूंगा! लेकिन Thanks for your offer!
एक अहम बात और कहूं, सर? छोटा मुंह और बड़ी बात ....पर..
जब तक आपकी जॉब नहीं लगती तब तक ये...लोन समझ कर रख लें!
Oh No Abraham! I Can manage. अगर जरूरत पड़ी तो तुमसे मांग लूंगा।

Sure Sir?
एकदम श्योर! Thanks.
ठीक है सर! तो मैं... चलूं?
ठीक है, अब्राहम!
पर... उस ऑफर के बारे में सोचिएगा, सर! आपको कोई परेशान करे, ये मुझसे सहन नहीं होगा। आप बहुत अच्छे बॉस थे, सर!
ठीक है, अब तुम जाओ। देर हो रही है।
ओ भगवान! पहले मकान मालिक फिर अब्राहम! अब और क्या मुसीबत आएगी?
ये लो और ऐसी पचास बिल्डिंग्स खरीद लो!
ऐसे रहोगे तो मुसीबतें आती रहेंगी!
मुझे सिर्फ काम नहीं करना, बल्कि ऐसा काम करना है जिसमें कभी भी नागराज बनकर जाने की आजादी हो! और वह काम ऐसा भी होना चाहिए जिसके जरिए मैं चारों तरफ हो रही घटनाओं के संपर्क में भी रह सकूं। मुझे बहुत सावधान रहना है।
नागू, मैं राज हूं! इस अपार्टमेंट में राज रहता है, नागराज नहीं! राज को ऐसा कोई काम नहीं करना है जिससे वह नागराज होने का शक पैदा करे। उसे कमाकर खाना है! उसे आम आदमी की जिंदगी जीनी है।
तो फिर अब्राहम का ऑफर स्वीकार कर लो।

क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि पहलेजा के भारती कम्युनिकेशन के टेकओवर के पीछे किसी ऐसी बड़ी ताकत का हाथ है जो नागराज तक पंहुचना चाहती है!
और मुझे पूरा यकीन है कि नागराज का पता जानने के लिए भारती के हर वफादार पर नजर रखी जा रही होगी! मुझ पर भी!
नागराज ने आज फिर दो अपराधियों को पकड़ने के प्रयास में कई जानों को खतरे में डाल दिया!
ये सब क्या है, मिस्टर पहलेजा? आप खबरों में नमक मिर्च लगाकर नागराज को बदनाम क्यों कर रहे हैं?
इसको कहते हैं TRP बढ़ाना जो तुम कभी नहीं कर पाईं! आज हमारा चैनल नंबर टू पर है। वैसे भी हम वही बता रहे हैं जो हुआ है!
नागराज द्वारा छोड़े गए सांपों को देखकर वहां मौजूद जनता में भगदड़ मच गई जिससे पांच लोग घायल हो गए!
ऐसा नहीं हुआ है मैंने खुद उन 'घायलों' से बात की है वे अपराधियों की गोलीबारी से डर कर भाग रहे थे! नागराज के सांपों से डर कर नहीं।
तुम नागराज को बदनाम क्यों करना चाहते हो, पहलेजा?
इस मामले पर और बात करने के लिए हमारे साथ हैं 'नो सुपरहीरो' के संस्थापक, श्री हठबोले! आपका हमारे शो में स्वागत है। हठबोले जी!
ओ! मिस्टर पहलेजा से सिर्फ पहलेजा! तुम गुस्से में लग रही हो, भारती! वैसे, जब तुमने मेरी कंपनी पर कब्जा जमाया था तो मैं भी काफी गुस्सा हुआ था।
तुमने कंपनी बेची थी! पर इस बार तुमने ये कंपनी धोखे से हथियाई है! स्टॉक मार्किट से गलत तरीके से कंपनी के शेयर खरीदे और मैनेजमेंट पर कब्जा जमा लिया।
पर ये दिमाग तुम्हारा नहीं हो सकता! तुम ऐसा कर सकते तो बहुत पहले कर चुके होते! कौन है वह जो पर्दे के पीछे से तुमको नचा रहा है? क्या चाहता है वह?

न कोई 'वह' है और ना ही कोई पर्दा, भारती तुमने चैनल को नागराज के दम पर चलाया! और हम नागराज का दम निकालकर चैनल चलाएंगे!
मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। मत भूलो कि भारती कम्युनिकेशन के शेयर मेरे पास भी हैं।
तुम रोक सकती हो भारती। तुम अभी भी मैनेजमेंट को अपने हाथों में ले सकती हो। तुमको सिर्फ एक काम करना होगा!
तुमको मेरे... सॉरी... हमारे न्यूज चैनल पर आकर खुद ये ब्रेकिंग न्यूज देनी होगी।
नागराज की सीक्रेट आइडेंटिटी खोलनी होगी! इससे बड़ी ब्रेकिंग न्यूज, न्यूज वर्ल्ड में आज तक नहीं आई होगी!
सोचो हमारी TRP कितनी बढ़ जाएगी। हम अभी नंबर टू हैं।
चटाक
फिर हम नम्बर वन-आह्SSS
ये वीडियो क्लिप मैंने तुमको send कर दी है। इसको चैनल पर चला देना! TRP बढ़ जाएगी।
और मुझे दुबारा ब्लैकमेल करने की कोशिश मत करना
अगर कोशिश की तो ये वीडियो क्लिप मैं दूसरे चैनल्स को भी भेज दूंगी।
बीप

हां, सर!... बात अभी बनी नहीं, सर! ये भी क्लियर नहीं हो पाया...

...कि वह नागराज के असली रूप को जानती है भी या नहीं!

तुम लोग मुझे कुछ सोचने भी दोगे?

हम सब सोचेंगे। आखिर जो तुम पर बीतेगी वही तो हम सब पर बीतेगी।

मुझे तो अब्राहम का आइडिया अच्छा लगा।

ठक-ठक
लगता है ये किराए के फ्लैट को किराए पर देकर अपना किराया निकाल रहा है। खोल रे, सूट पैंट!
...दरवाजा खोल।
अ....कहिए।
अभी यहां कौन था?
चारों तरफ ढूंढो। यहीं कहीं छुपे होंगे, पार्टी मैन!!
यहां छुपने की जगह कहां है सर जी? कोई नहीं है यहां।
फिर क्या मेरे कान बज रहे थे? कोई 'नहीं-नहीं' चिल्ला रहा था! किसकी आवाज थी वह?
कैसी...कैसी आवाज?
नहीं-नहीं।
देखो ! ऐसी ही आवाज थी टेबल के नीचे देखो!!
यहां तो कोई नहीं है।
यहां है।
वहां से आवाज आई है।
तु...तुमने भी सुनी?
ह...हां.. हां..!!
मुझे तो लगता है कि यहां कोई आत्मा है!
आत्मा! आत्मा!! यानी भूत!
भईए। ये बात किसी से कहना मत! वर्ना ये बिल्डिंग खाली हो जाएगी और खाली ही रहेगी। मैंने...मैंने तुम्हारा अब तक का किराया माफ किया।
आप गलत समझ रहे हैं। यहां कोई भूत नहीं है।
हां,हां,हां! तुम समझ गए!! यहां कोई भूत नहीं है! नहीं है न?
पर आप...
आगे से किराया घर पर पंहुचा देना मैं आऊंगा नहीं।

महानगर से दूर कहीं समुद्र में-
आधे घंटे में हम महानगर के वेस्ट कोस्ट हार्बर पर पहुंच जाएंगे। वहां मैसेज कर दो कि वे क्रूड की तुरंत अनलोडिंग का पूरा इंतजाम करके रखें। हमको परसो वापस भी जाना है।
सर! कोस्ट गार्डस, क्लियरेंस लेने के लिए आ रहे हैं।
Hello! I am Disouza! Captain of This Ship! आइए मैं आपको जरूरी डॉक्युमेंट्स देता हूं! पर अपने गार्डस से कहिए कि बंदूकें कंधो पर टांगें! ये ऑयल टैंकर है। एक चिंगारी भी तबाही ला सकती है।
हम जानते हैं। मुझे भी अपना परिचय देने की ईजाजत दीजिए!
मेरा नाम अबूकरीम है। मैं लश्कर-ए- फियादीन का कमांडर हूं!
और ये कोस्ट गार्डस नहीं, फियादीन हैं। तुम्हारी शिप अगवा हो चुकी है कैप्टन!

COAST GUARD
अगर तुम चिंगारी नहीं देखना चाहते हो, तो जाकर अपनी कंपनी को बताओ कि हम ये तेल तुम्हारी कंपनी को वापस बेचने के लिए तैयार हैं। सिर्फ 50 मिलियन डॉलर में। वर्ना हम हर घंटे में एक कर्मचारी को मार देंगे।
अबदुल्ला! कैप्टन को दिखाओ कि हम कितने सीरियस हैं। उस गंजे की खोपड़ी उड़ा दो!
तुम...तुम ऐसा नहीं कर सकते! ऐसा किया तो तुम भी नहीं बचोगे।
गोली चला अबदुल्ला।
मुझे...मुझे मत मारो! मैं अभी-अभी बाप बना हूं। और मैंने अपने बच्चे की शक्ल तक नहीं देखी है।
अ...कमांडर! आधे घंटे देख लें? शायद वे हमारी डिमांड्स म...मान लें।
तुझे इस पर रहम आ रहा है?
अ...थोड़ा सा, कमांडर!
तो छोड़ दे इसे।
OAST G
ओफ्! ये..मैंने क्या किया?
धड़ाम

चुनने के लिए दो ही रास्ते हैं, फियादीन! या तो दूसरे पर रहम खा लो...
या अपने आप पर
अब या तो मैसेज भेजो, कैप्टन, या अपने किसी मुलाजिम को दोजख भेजो।
मैं मैसेज भेजता हूं!
टैंकर पर कब्जा हो गया है किंग और ऑलटरनेटर भी सही काम कर रहा है!
मुझे टैंकर पर कब्जा करने से ज्यादा ऑलटरनेटर की कामयाबी की खुशी है। अब इस दुनिया से या तो रहम का नामोनिशान मिट जाएगा, या फिर रहम करने वालों का!
अब दुनिया का हर शख्स रहम करने की सोच से ही थर-थर कांप उठेगा। थर थर थर थर! हाहाहाहा!
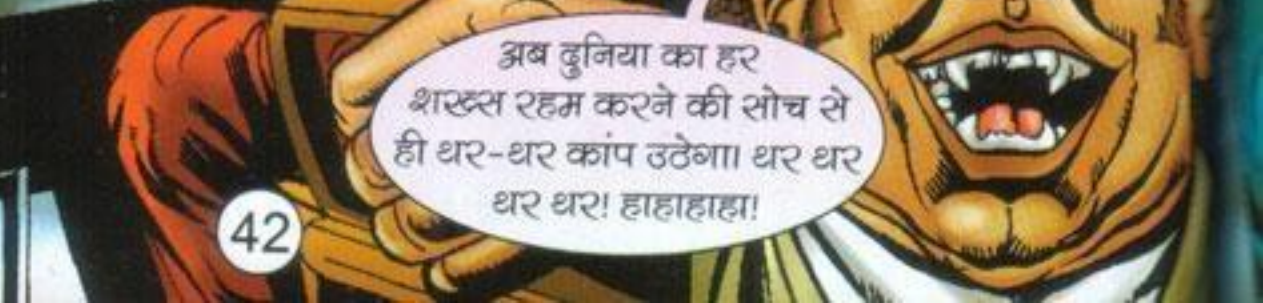
यार, ये इंसान भी कमाल हैं। दीवार से आवाज आए तो भूत है, रेडियो से आए तो नहीं है!
पर वह भागा बड़ी तेज था! हाहाहा।
कम से कम थैंक्यू तो बोल दो नागराज। हमने किराया माफ करा दिया!
दुबारा ऐसा कभी मत करना। मुझे किसी को धोखा देना पसंद नही है। हां, तो हम क्या डिस्कस कर रहे थे?
Security Agency.
पर वह बात तो खत्म हो गई थी।
शुरू ही कब हुई थी। सुनो, मैं एक नई सिक्योरिटी एजेंसी की बात कर रही हूं! जिसका मैनेजर राज होगा।
और उसे चलाएगा कौन?
मैं।
हम्म! पर हम गार्ड्स कहां से लाएंगे?
हैं न! तुम्हारे आसपास खड़े ये निकम्मे। अब तक तुम्हारे शरीर में आराम फरमाते आए हैं। अब थोड़ा काम करेंगे।
Brillient idea Soudangi! और ये पूरे शहर और फिर देश और शायद पूरी दुनिया में फैलकर नागराज की हजारों आंखें और कान बन जाएंगे।
और इस ऐजेंसी का नाम होगा... Snake Eye!
आइडिया अच्छा है, सौडांगी! पर काम मिलना इतना आसान नहीं होगा।
वह मेरा काम है!
ब्रीप-ब्रीप

यस! बोलो, भारती!
भारती नहीं, राज, मैडम भारती! हमारी कंपनी के टेकओवर के पीछे कोई गहरा षड्यंत्र है। पहलेजा, नागराज की सीक्रेट आइडेंटिटी जानना चाहता है।
मुझे पूरा यकीन है कि उसके पीछे किसी और का हाथ है। अगर तुमको नागराज कहीं मिले तो उसे सावधान कर देना।
भारती को शक है कि हमारे फोन भी टेप किए जा रहे हैं।
कर दूंगा, मैडम।
ब्रेकिंग न्युज... महानगर के तट पर क्रूड आयल ला रहे ग्रीक टैंकर को लश्कर-ए-फियादीन ने अगवा कर लिया है।
टैंकर महानगर तट से 300 समुद्री मील की दूरी पर अंतर्राष्ट्रीय सागर में खड़ा है और इस कारण उस पर कोई पुख्ता सैन्य कार्यवाही होने की संभावना बहुत कम है।
अगर इस टैंकर को कोई नुकसान पहुंचा तो हिंदुस्तान में तेल की अचानक कमी के आसार पैदा हो सकते हैं। क्योंकि आंतक के मद्देनजर शिपिंग कंपनिज टैंकर चलाने से इंकार भी कर सकती हैं।
कुछ गड़बड़ है।

तेल पर इतने दिनों से लगातार हो रहे अलग-अलग तरीके के हमले किसी सोची समझी योजना का हिस्सा लगते हैं! मुझे इस षड्यंत्र की तह तक पहुंचना होगा! और शुरूआत करने के लिए ये हाइजैक्ड टैंकर बिल्कुल परफेक्ट जगह है।
ठीक है! तुम दुनिया को बचाने की कोशिश करो और हम राज की नौकरी बचाने की कोशिश करते हैं।
जो करना संभल कर करना, नागराज! अगर किसी की नजर पेट्रोलियम पर है तो किसी की नजर नागराज पर भी है।
मैं सतर्क हूं! और रहूंगा!
हां, तो सभी तैयार हैं?
हां।
हां।
तैयार हैं!
और मैं भी तैयार हूं! अब हमको एक ऑफिस चाहिए! और उसके लिए एक जगह मेरी नजर में है।
राज कहीं जा रहा है। बॉस! शायद भारती ने जो इसको बताया है। वह नागराज को बताने जा रहा है।
Every Body March.

FREE
मैं इसका पीछा करता हूं! अगर किस्मत साथ रही, तो नागराज का पता मिल जाएगा!
ओह!
FR
"...अब पता नहीं नागराज इस वक्त कहां पर हो
बॉस! राज कहीं.... गायब हो गया है। शायद टैक्सी पकड़ कर चला गया है।
तू मूर्ख का मूर्ख ही रहेगा नजर रखे रह! नागराज का पता मिलना बहुत जरूरी है!

सब को नीचे 'होल्ड' में बंद कर दिया है कमांडर!
अब चारों तरफ नजर रखना! खतरा कहीं से भी आ सकता है।
खतरा कहां से आएगा कमांडर? पानी के ऊपर से आएगा तो हमें दूर से दिख जाएगा! पानी के नीचे से आएगा, तो शार्क्स को दूर से दिख जाएगा!
शार्क्स को कुछ नजर आ गया है।
नागराज!
वह यहां तक कैसे आ गया?
नागराज तो जहरीली हवा का झोंका है। वह कहीं भी जा सकता है। पर अभी उसने अबूकरीम का जहर नहीं देखा है।...
नागराज

"पूरी शिप को सतर्क कर दो।"
सुना है कि नागराज गोलियों से नहीं मरता!!
मरेगा! उसके बदन में इतना लोहा भर दूंगा कि दिल को भी धड़कने की जगह नहीं मिलेगी।
वह देखो! उ.....उधर कुछ है!
...ये नागराज ही है।
ये तो... नागराज नहीं लगता।
गोलियां इसपर बेअसर हैं!! यानी...
ये...ये क्या है?
नागराज की चाल!
COAST GUARD
COAST GUARD

नागराज अपने सांपों से हमको डराना चाहता है! पर वह जानता नहीं है कि इस बार डरने की बारी उसकी है। क्योंकि इस बार उसका पाला लश्कर-ए- फियादीन से पड़ा है।
ये कंसेन्ट्रेटेड एसिड सांपों को वैसे ही गला देगा...
जैसे मक्खन को आग!
कमांडर! कमांडर!! नागराज.....
अकमल! अकमल, जवाब दे! जवाब दे अकमल!!...
...अकमल!! गड़बड़ है! कमइन, मुम्मल! मुम्मल!

Yes Commander! हुक्म करें!
कैप्टन और सभी जहाजियों को लेकर ऊपर आओ! अब वे ही हमारा इंश्योरेंस है।
ऊपर चलो।
क्या तमाशा है? कभी नीचे, कभी ऊपर!
चाहते हो तुम लोग?
ज्यादा बात नहीं! चलो ऊपर!!
ऊपर जाने की बारी इनकी नहीं....
तुम्हारी है।
COAST GUARD
नागराज!!
50
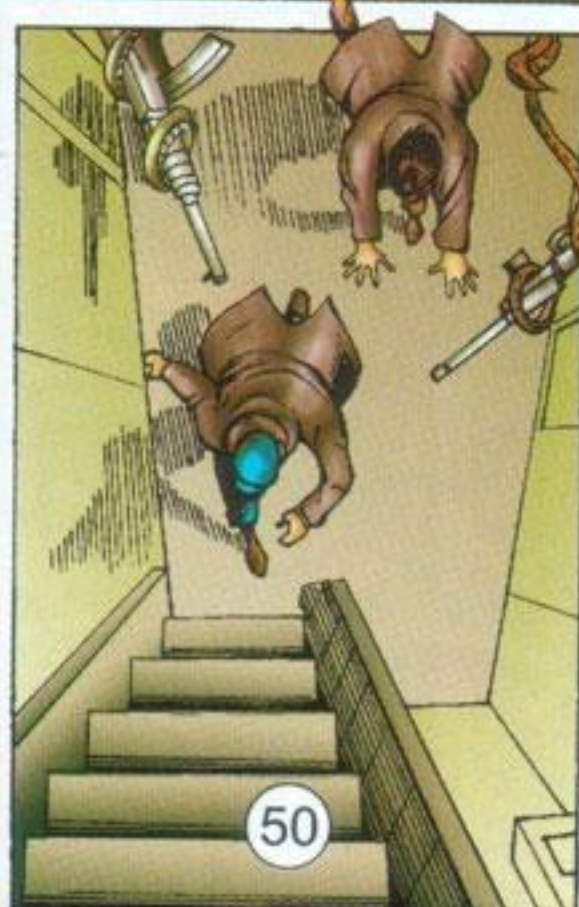
सामने आजा नागराज!
वर्ना इसी तरह मैं...
बड़ाम
...एक-एक को...
उड़ाता जाऊंगा!
बड़ाम
नागराज!
नागराज आ गया, किंग!
अब आएगा खेल का मजा! सुसाइड बीम को फुल चार्ज पर चालू करो।
गड़बड़ हो गई!!
नागराज का पता मिलते-मिलते रह गया।
पर नागराज मिल गया! आओ देखो! अभी पता चल जाएगा कि तुम फेल होते हो या पास!

तुम्हारे आतंक फैलाने के दिन खत्म हुए अबूकरीम! और उसके भी, जिसने तुमको इस काम के लिए भेजा है।
गलत! तुम्हारे आतंक को मिटाने के दिन खत्म हुए, नागराज!
अब तुम्हारे मिटने का वक्त आ गया है।
ये...ये क्या? मुझे कमजोरी क्यों लग रही है?
तुम्हारी बहादुरी की वजह से। तुम्हारे जिस्म में धंसने वाली गोलियों में बारूद नहीं है! जहर काट है! एंटी वेनम। तुम्हारा जहर खत्म हो रहा है, नागराज।
और साथ ही साथ तुम्हारी ताकत और उम्र भी। तू इसी तेल को बचाने आया था न?
पर अब तुझे इस तेल से कौन बचाएगा?
COAST GUARD

देखो दुनिया वालो। ये है अबूकरीम का जहर जिससे नागराज भी नहीं बच सका।
तूने कमाल कर दिया, नागमणि। तू वाकई जहर को उतना जानता है, जितना शायद जहर खुद भी नहीं जानता।
क्या सचमुच नागराज मर गया?
तेल के सागर में कोई तैर नहीं सकता। नागराज मरेगा तो जरूर पर धीरे-धीरे! तड़प -तड़प कर! जैसे अब ये कैप्टन मरेगा!
क्योंकि इसकी सरकार ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। इसके घुटने गोली से तोड़ दो और पंद्रह मिनट में जवाब नहीं आया तो इसकी खोपड़ी तोड़ देना।
हुक्म की तामील होगी कमांडर!

तू...तू बच गया नागराज!! और... और तेरी ताकत भी वापस आ गई!! कैसे?
अपने उन सांपों के कारण जो मैंने इस टैंकर में फैला रखे हैं! उन सबने अपना जहर मेरे शरीर में डाल दिया और इससे मेरे शरीर में घटते जहर की क्षतिपूर्ति हो गई!
अब तू बता कि तेरे बदन से बहते खून की क्षतिपूर्ति कैसे होगी!
तुम्हारी एंटीडोट फेल हो गई नागमणि !मुझे तो शक हो रहा है कि तुम विनॉम फ्यूल भी बना पाओगे कि नहीं!
मेरी एंटीडोट ने काम कर दिया था! पर तुम्हारी सुसाइड-रे ने कुछ नहीं किया! नागराज ने कैप्टन के बजाय खुद गोलियां खाकर कैप्टन पर रहम किया था। पर उसमें आत्महत्या करने जैसे कोई लक्षण नहीं दिख रहे!
सुसाइड-रे इंसानी दिमाग के उस हिस्से को अनियंत्रित कर देती है जो उसे जिंदा रहने की इच्छाशक्ति देता है।
पर दिमाग का वह भाग तभी एक्टिवेट होता है जब इंसान दूसरे पर रहम करता है। दूसरों को जीने का अवसर प्रदान करता है। और सुसाइड-रे भी उस हिस्से पर तभी अटैक कर पाती है।
नागराज का दिमाग आम इंसान से ज्यादा मजबूत है! नागराज पर सुसाइड-रे का असर होने में समय लगेगा! इसको बस एक बार और रहम का कोई काम करने दो, फिर देखना!
पर नागराज आतंकवादियों पर रहम करने के मूड में नहीं था।
अभी तेरे सिर्फ दो दांत टूटे हैं। तीस अभी बचे हैं! इनको एक-एक करके तुड़वाना नहीं चाहते हो तो बता दो कि इस प्लान के पीछे किसका हाथ है।
उम्मम्म फ! हम फियादीन हैं! नागराज! जान देने से नहीं डरते!
दुनिया जानती है कि मैं किसी की जान नहीं लेता।
54
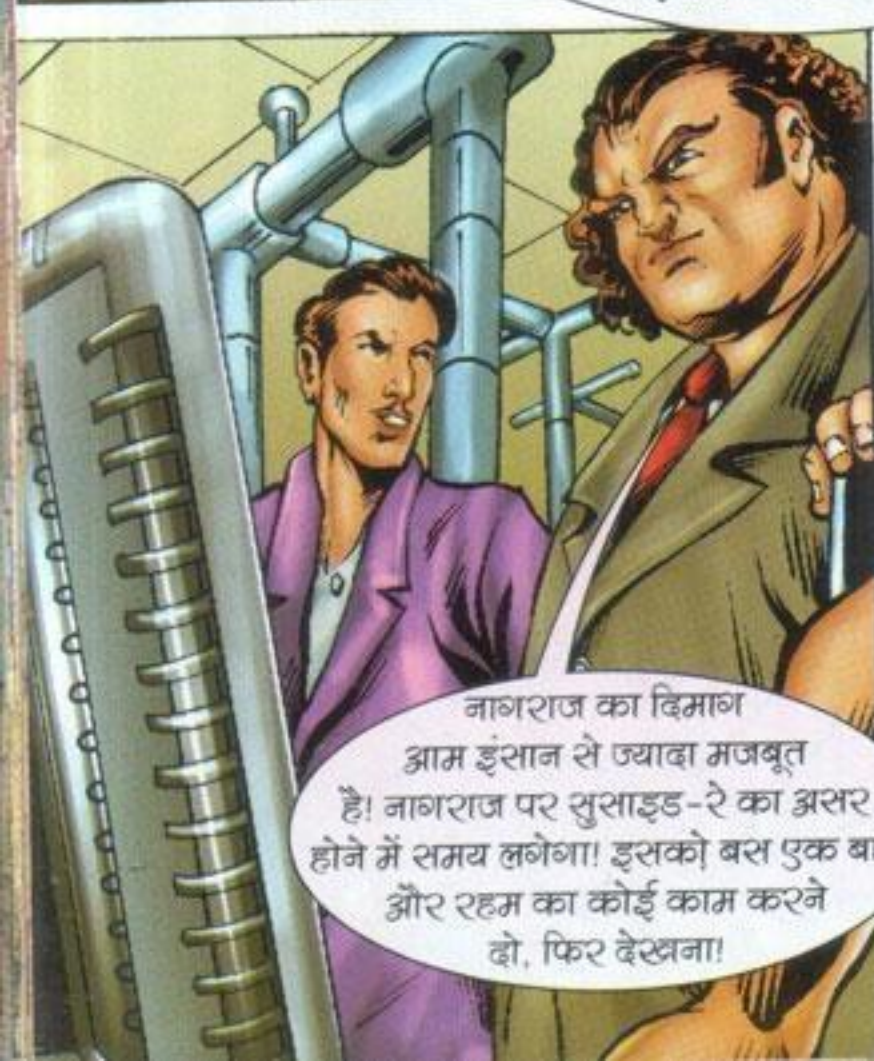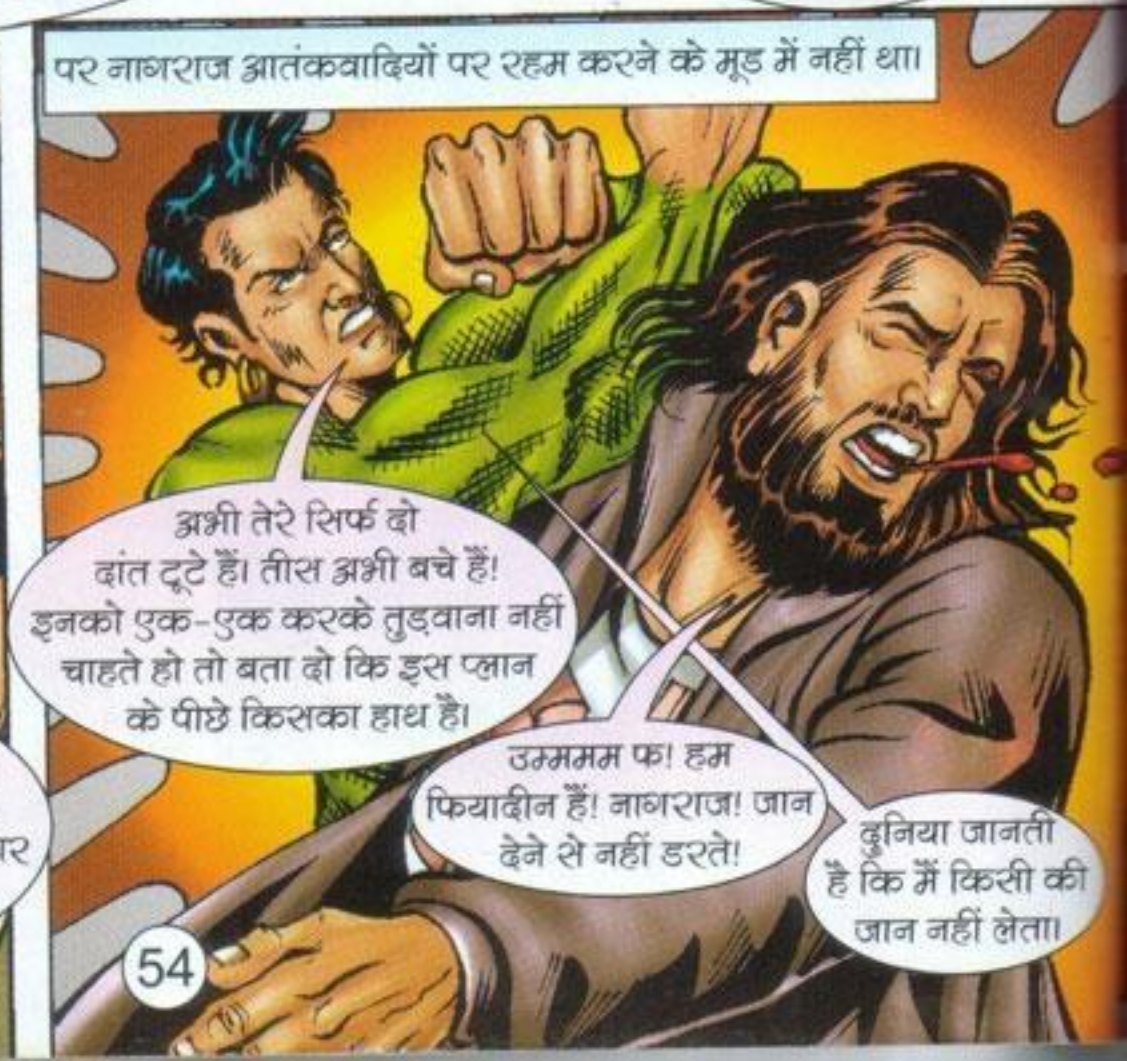
धाम
वह मुझसे अपनी जान लेने की भीख मांगे, तो भी नहीं!
आउउम्मफ!
तु मुझे ऐसे मार नहीं सकता! ये ह्यूमन राइटस के खिलाफ है। आउSSS!
बिल्कुल है। पर तुम अपने आपको इंसान कब से समझने लगे? वैसे अब तेरे 29 दांत बचे हैं! अपने आका का नाम बताएगा या इनको भी 28 करवाएगा!
तूने अभी फियादीनी जलवा देखा नहीं है, नागराज! आज देखेगा तू वह जलवा! और उस जलवे में तू जल जाएगा। अबूकरीम अपना मिशन पूरा करेगा!
टिक टिक
Oh God! इसने बम एक्टिवेट कर दिया!! अब कोई नहीं बचेगा!
टिक टिक

...या तो जैकेट को उतार कर फेंक दो और बच जाओ! या फिर जिहाद के नाम पर कुर्बान हो जाओ! तुम्हारे पास अभी भी दस सैकेंड हैं।
हां! अब कोई नहीं बचेगा! न तेल न शिप और न नागराज! बीस सेकेंड में ये बम फट जाएगा ...और ...
हैं?
मुझे मरना नहीं है! बिना जिहाद पूरा किए...
...और सिर्फ तू मरेगा, अबूकरीम! तू हवा में फटेगा और किसी को नुकसान नहीं पहुंचा पाएगा!!
यानि मेरा जिहाद बेकार हो गया!! मेरा मरना भी बेकार जाएगा।
तुम्हारे पास दो रास्ते हैं, अबूकरीम!...
...मुझे मरना नहीं है!!
बचोगे तो तुम अभी भी नहीं, अबू! सौ फुट की उंचाई से स्टील के फर्श से टकरा कर किस्मत वाला ही बचता है।
नहीं! मैं... मैं मरना नहीं चाहता!
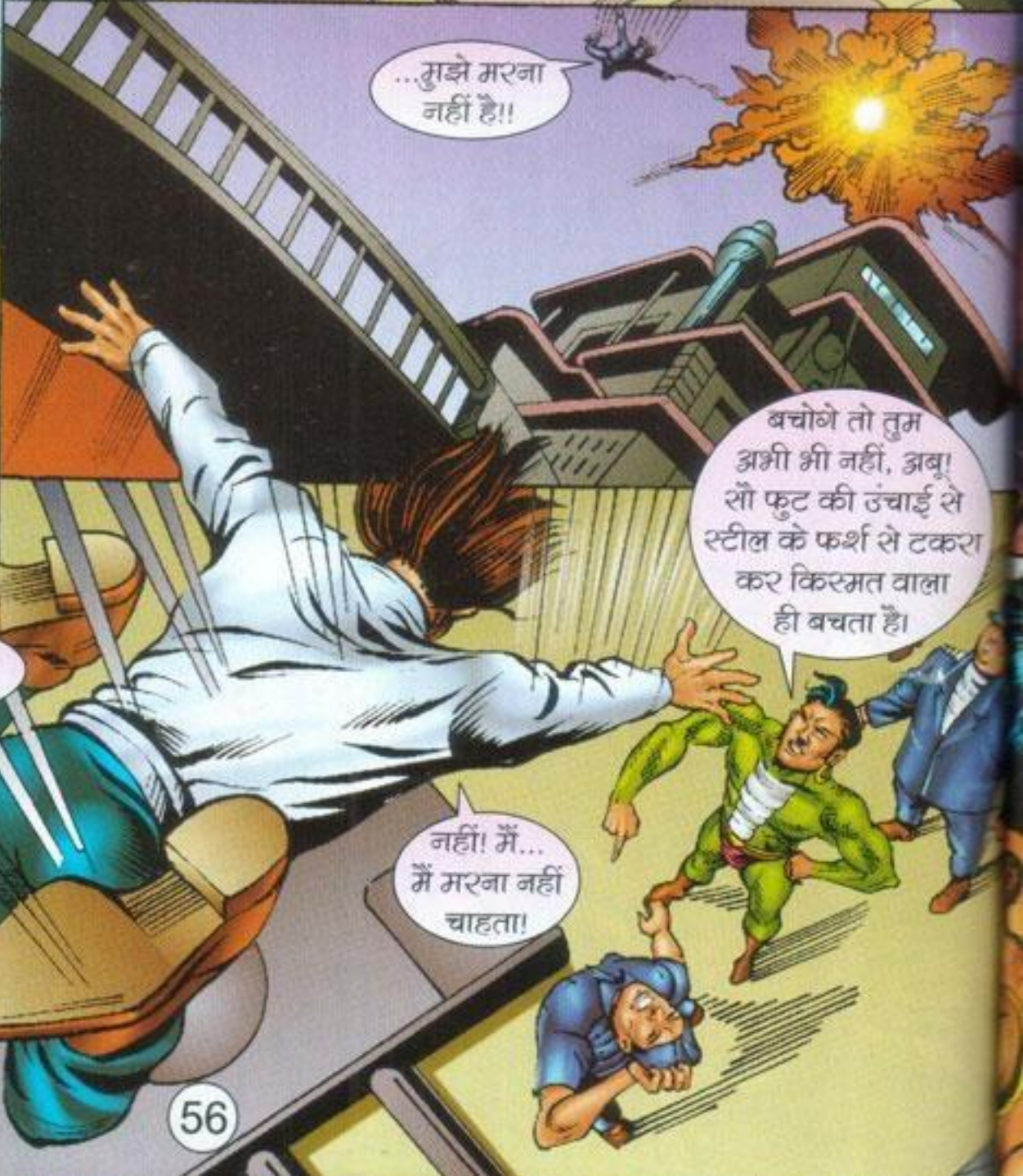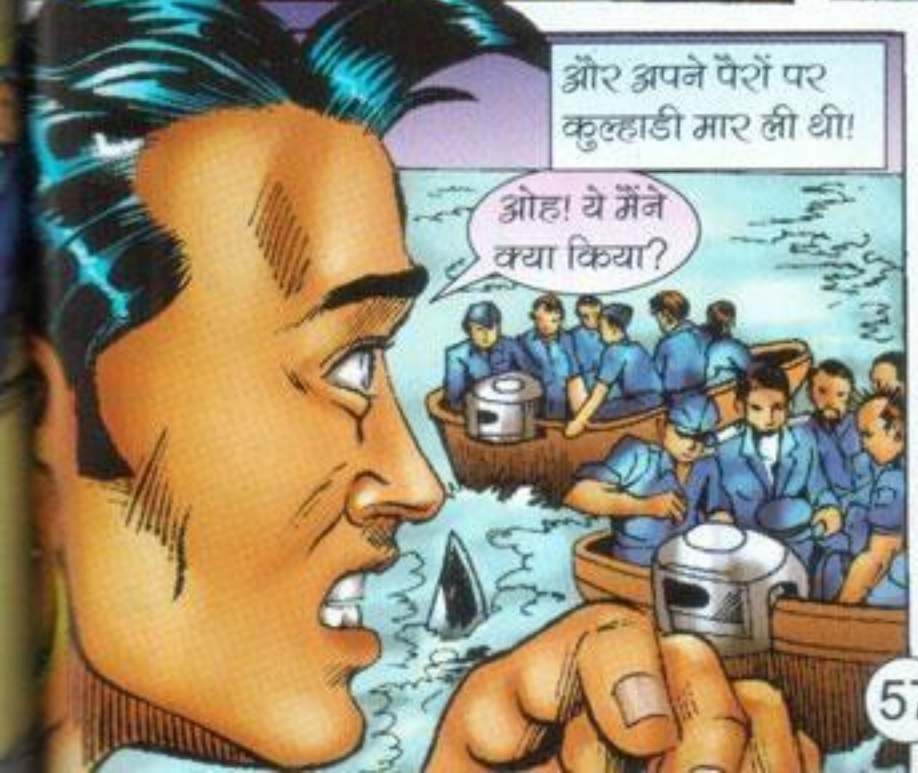
मुझे बचा लो नागराज!!
जी तो नहीं चहता!
पर मैं चाहता नहीं की इस शिप का फर्श तुम्हारे खून से खराब हो!
लो! शिप भी बच गई और अबूकरीम भी!तुम्हारा प्लान फेल हो गया किंग!
शिप तो अभी भी नहीं बचेगी! पर तूने शायद ध्यान नहीं दिया!नागराज ने अभी-अभी रहम का दूसरा काम किया है!
"ये एक दो रहम के काम और कर दे तो फिर सुसाइड-रे के कहर से बच नहीं पाएगा"!
मेरी सर्प इंद्रियां बेकाबू हो रही हैं! खतरा टला नहीं है! तुम अपने क्रू के साथ छोटी नावों से यहां से दूर चले जाओ कैप्टन! और साथ में इन बेहोश आतंकवादियों को भी बंदी बनाकर ले जाना!!
नागराज ने रहम का एक और काम कर दिया था।
और अपने पैरों पर कुल्हाडी मार ली थी!
ओह! ये मैंने क्या किया?
सुसाइड-रे शायद अपना काम कर चुकी थी-

क्योंकि नागराज के अंदर जीने की इच्छा खत्म हो चुकी थी।
क्या यही अंत है नागराज का? अगर हां, तो क्या होगा नागराज के बाद? जानने के लिए पढ़ें इस सीरिज का अगला अंक- फ्यूल
क्रमशः
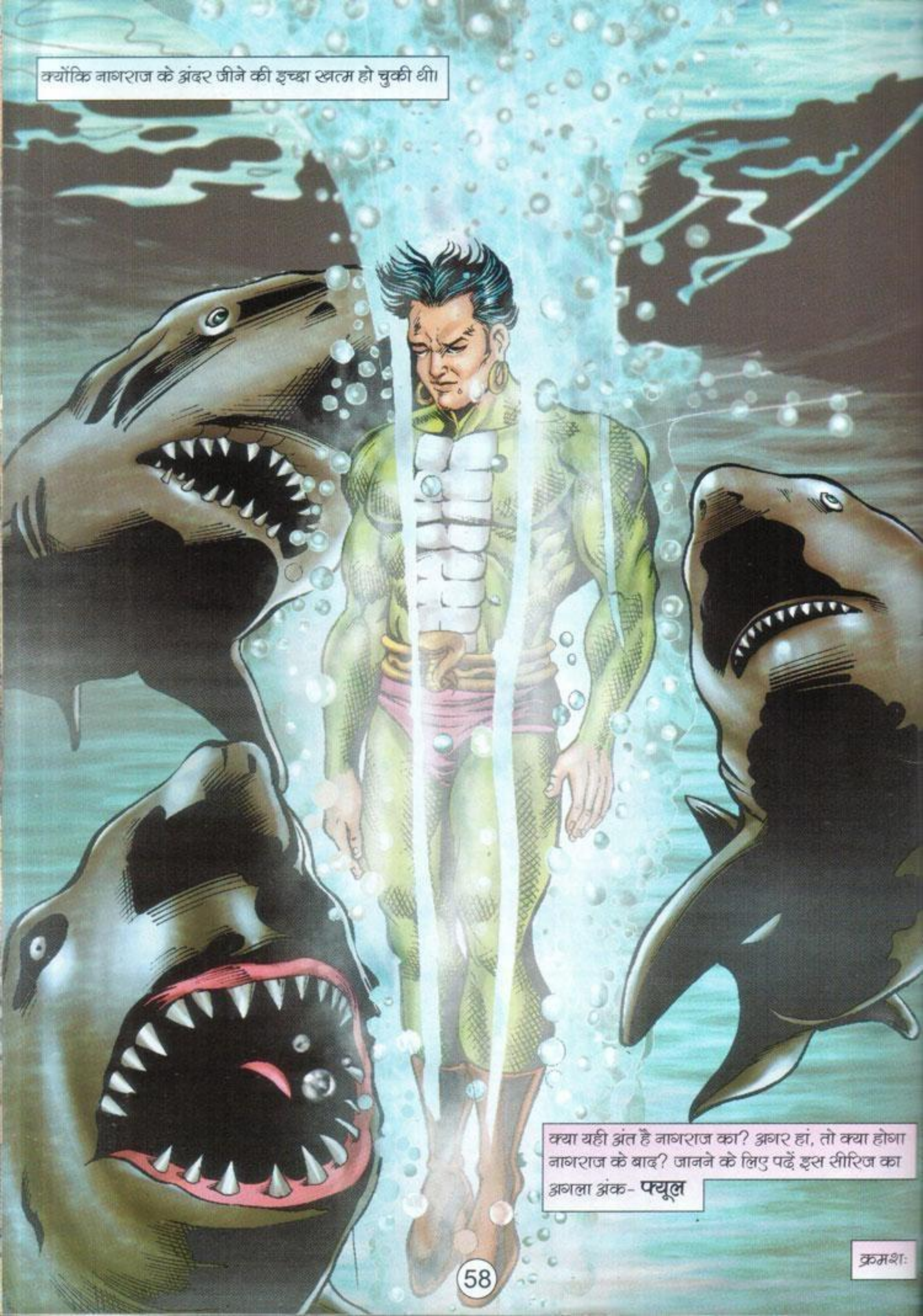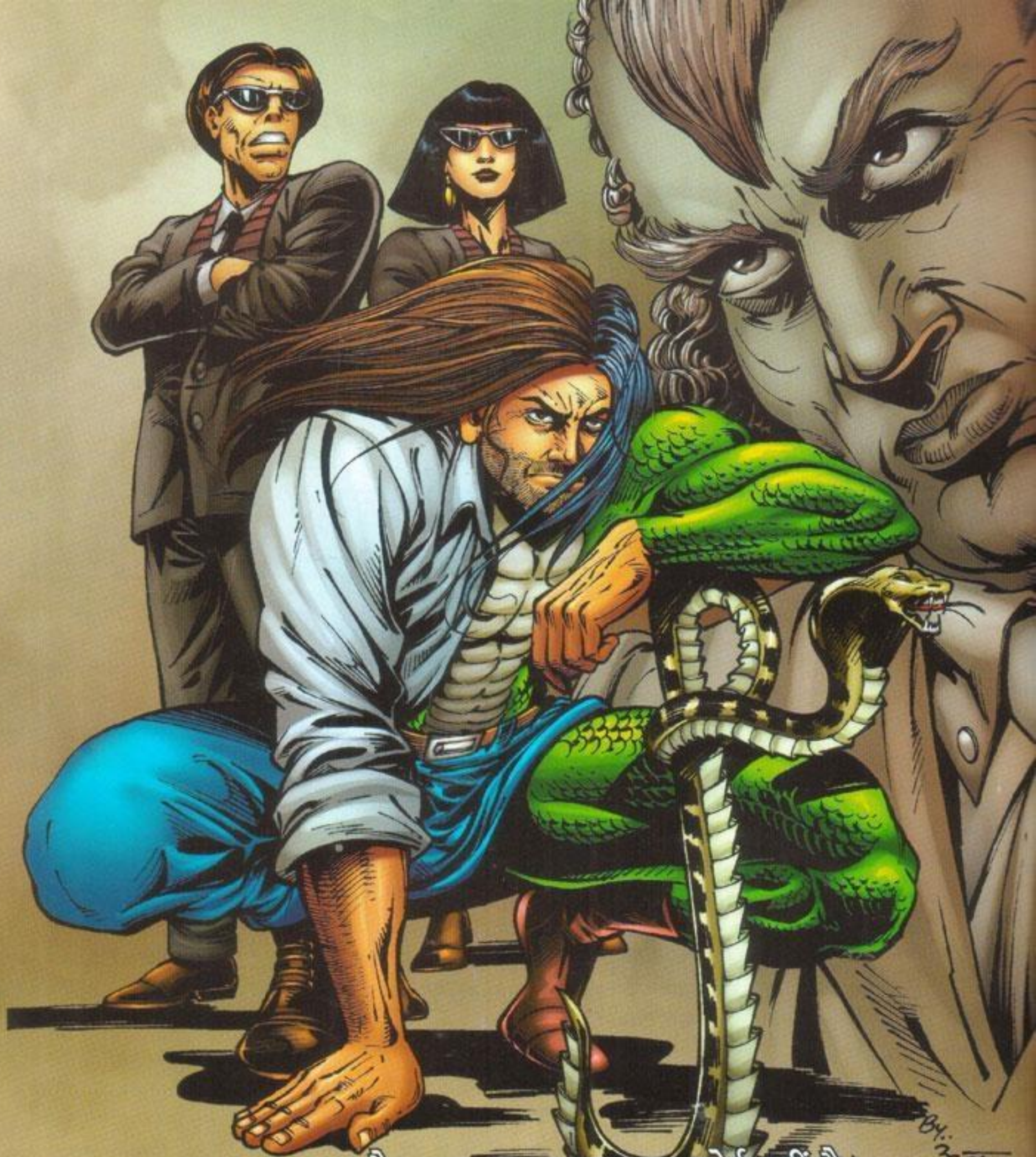
उनका रक्षक नागराज मर चुका है। अब उनका रखवाला कोई नहीं है।
उनकी आजादी खतरे में है। उनका अस्तित्त्व खतरे में है।
वे मानवों के लिए वर्तमान की सबसे कीमती चीज बन चुके हैं। वे हैं इच्छाधारी नाग।
और उनका विष है दुनिया का सबसे शक्तिशाली... **फ्यूल**

पर क्या ये फ्यूल सचमुच मानवता के लिए वरदान है? या एक छुपा हुआ श्राप! इच्छाधारी नाग और मानवजाति दोनों का ही अस्तित्त्व खतरे में है। और उनका रक्षक...कोई नहीं है? शायद है!! पर कौन है इस अंजान युद्ध का गुमनाम हीरो? बताएगा...राज कॉमिक्स में नागराज का आगामी दनदनाता विशेषांक!

प्यारे नागराज प्रेमियों, जनून!

एक बार फिर नागराज की एक अनोखी दास्तान लेकर उपस्थित हुआ हूं। आज महानगर का रूप बदल चुका है। महानगर का रक्षक नागराज गुमशुदा है। जिंदा भी है या ...भगवान ना करे। लेकिन कुछ ना कुछ तो अनहोनी घटी है जिसका शिकार नागराज भी हुआ है। अब महानगर एक शैतान के चुंगुल में है और उसी शैतान के चुंगुल में हैं सभी महानगरवासी। एक परदेसी महानगर में भटक रहा है। किसकी तलाश है उसे, यह वह खुद नहीं जानता। और भटक रही है मानवता भी। जो कोई भी मानवता दिखाएगा उसे पाप लगेगा और वो खुद ही मृत्यु को गले लगाने को तत्पर हो जाएगा। क्या यही है असली कलियुग? इस रोमांचक कथा श्रृंखला को आप अवश्य ही पसंद करेंगे। बहुत सी उलझनें सुलझेंगी और बहुत सी नई उलझनें बनेंगी इस श्रृंखला के आगामी कॉमिक्स 'फ्यूल' में। जो आगामी सैट में ही प्रकाशित हो रही है।

'फ्यूल' में हम अपने पाठकों को एक **3D** चश्मा मुफ्त दे रहे हैं। कॉमिक्स के अंत में कुछ विज्ञापन पृष्ठ **3D** छापे जाएंगे। जल्दी ही हम पाठकों के लिए एक पूरी **3D** कॉमिक्स छापने का विचार कर रहे हैं। इस चश्मे को आप संभालकर रखें। राज कॉमिक्स वेबसाइट **:-www.rajcomics.com/3d** पर आप **Free 3D Comics** पढ़ सकते हैं और ऑन लाइन स्टोर से **3D E-Comics** खरीदकर इन चश्मों की सहायता से पढ़ सकते हैं।

राज कॉमिक्स के बहुत से पाठक चाहते थे कि राज कॉमिक्स इंगलिश में भी उपलब्ध हो। राज कॉमिक्स के चार कॉमिक्स इंगलिश में प्रकाशित किए गए हैं- **Green Death, Race Against Time, Mambr, Numero Uno.** जल्दी ही राज कॉमिक्स अन्य भारतीय भाषाओं में भी प्रकाशित की जाने वाली हैं जिन्हें आप राज कॉमिक्स वेबसाइट पर **Free** पढ़ सकेंगे।

राज कॉमिक्स आपके लिए एक नया प्रॉडेक्ट ला रही है **MOTION COMICS.** यह आपको डी.वी.डी. फोरमेट में उपलब्ध होंगी। जिसे आप अपने टी.वी. या कम्प्यूटर पर देख सकेंगे। यह एक चलती-फिरती, बोलती कॉमिक्स होगी। शीघ्र ही इसका प्रोमो आप राज कॉमिक्स वेबसाइट पर देख सकेंगे।

जिन राज कॉमिक्स पाठकों को अपने शहर में राज कॉमिक्स उपलब्ध होने में परेशानी हो रही है उनके लिए राज कॉमिक्स वेबसाइट पर उनकी मनपसंद कॉमिक्स घर बैठे ही प्राप्त करने की भी सुविधा है। आप राज कॉमिक्स के ऑन लाइन स्टोर से कॉमिक्स खरीदकर अपने घर मंगा सकते हैं। राज कॉमिक्स ऑन लाइन स्टोर से कॉमिक्स खरीदने पर **Discount** भी दिया जाता है। राज कॉमिक्स ऑन लाइन स्टोर पर कॉमिक्स दो रूप में उपलब्ध हैं-हार्ड कॉपीज यानी की पेपर पर छपी कॉमिक्स और **E-Comics** यानी कि कम्प्यूटर पर पढ़ी जाने वाली कॉमिक्स। आप अपनी सुविधानुसार या अपनी पसंद के मुताबिक कॉमिक्स राज कॉमिक्स ऑन लाइन स्टोर से खरीद सकते हैं।

नागराज जन्मोत्सव-5 अक्टूबर 2009 को राज कॉमिक्स नागराज के जन्मोत्सव पर अपने सभी राज कॉमिक्स प्रेमियों को एक बार फिर आमंत्रित करती है। जन्मोत्सव में शामिल होने के इच्छुक राज कॉमिक्स प्रेमी कृप्या निम्न पते पर पत्र व्यवहार करके अपना रजिस्ट्रेशन कराएं अथवा **gsanjay@rajcomics.com** पर **mail** भेजकर रजिस्ट्रेशन करवाएं। जन्मोत्सव **4** व **5** अक्टूबर को मनाया जाएगा। सभी मेहमानों का रहना व खाना राज कॉमिक्स वहन करेंगी। अभी बस करता हूं। अब मिलेंगे अगले ग्रीन पेज पर!

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें : ग्रीन पेज नं. **296**, राजा पॉकेट बुक्स, **330/1**, बुराड़ी, दिल्ली-**84.**

Forum पर अपनी पोस्ट आप **www.rajcomics.com** पर करें।

जनून!
धन्यवाद!

आपका-संजय गुप्ता

GREEN PAGE NO. 296